# DEV VANEE

## [2024–25]

## Dev Sangha Institute of Professional Studies and Educational Research

(NCTE Recognized I NAAC Accredited)
Bompas Town, Dev Sangha, Deoghar, Jharkhand - 814114

## EDITORIAL BOARD

**Prof. (Dr.) Rajnish Pandey**
Principal, DIPSER

**Prof. (Dr.) Babita Kumari**
Vice-Principal, DIPSER

**Dr. Amit Bhattacharya**
Assistant Professor, DIPSER

**Mr. Sushovan Sen**
Assistant Professor, DIPSER

## Our Guiding Light

"May the divine mother manifest in the heart of all student-teachers of the institute and Dev Sangha Institute of Professional Studies and Educational Research emerge as the Centre of Excellence".

*- Srimad Saumyendra Nath Brahmachary*

# Message from the Principal

Prof. (Dr.) Rajnish Pandey
Principal, DIPSER

It is with great pride and joy that I present the latest edition of our annual college magazine, DEV VANEE. This publication serves as a vibrant canvas, capturing the intellectual journey and creative evolution of our students over the past year.

At DIPSER, we believe that education extends far beyond the four walls of a classroom. True learning is an enduring odyssey that shapes our character and broadens our perspectives. DEV VANEE is a testament to this philosophy,
Providing a dedicated space for our budding educators to articulate their visions,
share their research, and express their unique creative voices. As you turn these pages, you will witness the remarkable milestones achieved by our students. Their essays, poems, and reports reflect not just academic rigor, but also the deep-seated aspirations and convictions of a generation ready to lead and inspire.
I would like to extend my heartfelt congratulations to the editorial board, the faculty mentors, and, most importantly, the student-teachers whose contributions have made this edition possible. Your hard work and dedication to excellence are clearly visible in every page of this magazine.

May this edition of DEV VANEE ignite a spark of curiosity and a passion for lifelong learning in all our readers.

Best Wishes,
Prof. (Dr.) Rajnish Pandey
Principal, DIPSER

# CONTENT

## हिंदी खंड
## (Hindi Section)


| Sl. No | Title | Author | Page No. |
|---|---|---|---|
| 1. | एक लड़की की जीवन कहानी | Renu Kumari | 01 |
| 2. | आत्मविकास | Kanchan Kumari | 01 |
| 3. | देववाणी | Sapna Kumari | 02 |
| 4. | जल बचाओ जीवन बचाओ | Nutan Kumari | 03 |
| 5. | देश को आओ बचाएँ | Nishu Kumari | 04 |
| 6. | माँ | Annpurna Kumari | 04 |
| 7. | कहानी पेंसिल और रबड़ | Khushi Kumari | 05 |
| 8. | हम एक हैं | Rajnandani Kumari | 05 |
| 9. | सपनों की उड़ान | Priti Kumari | 06 |
| 10. | माँ ममता की सागर | Riya Kumari | 07 |
| 11. | दहेज-प्रथा | Pratiksha Rani | 08 |
| 12. | पर्यावरण बचाओ- एक पुकार | Ankita Kumari | 09 |
| 13. | क्या है ज़िन्दगी | Silpi Kumari | 10 |
| 14. | शिक्षक और छात्र | Shomya Singh | 11 |
| 15. | भाई-बहन की कहानी | Sulekha Kumari | 12 |
| 16. | शिक्षा और छात्र | Riya Bharti | 13 |
| 17. | दिल के किसी कोने में | Sangita Kumari | 14 |
| 18. | लड़कियों की जिन्दगी आसान नहीं होती | Tanuja Kumari | 15 |
| 19. | और वे लोग | Muskan Kumari | 16 |
| 20. | ऑपरेशन सिंदूर- बलिदान का रंग | Prity Kumari | 17 |
| 21. | दहेज-प्रथा | Anjani Kumari | 18 |
| 22. | ऑपरेशन सिंधु- एक वीर गाथा | Jyoti Kumari | 18 |
| 23. | मीठी बोली की ताकत | Rakhi Kumari | 19 |
| 24. | बाढ़ का प्रभाव | Anjani Kumari | 20 |
| 25. | यादें | Renu Kumari | 21 |
| 26. | समय | Saraswati Kumari | 22 |
| 27. | वो मंज़िल की रानी | Kanchan Kumari | 23 |

| Sl. No | Title | Author | Page No. |
|---|---|---|---|
| **28.** | कहानी: भगवान का दिखावा | Tanuja Kumari | 24 |
| **29.** | कहानी: भूत का डर या भ्रम? | Anupama Kumari | 25 |
| **30.** | अच्छे गुण अपनाओ | Misha Hembrom | 25 |
| **31.** | बचपन के दिन | Shempu Kumari | 26 |
| **32.** | जीवन | Nishu Kumari | 27 |
| **33.** | संघर्ष जीवन की | Deepshika | 28 |
| **34.** | शिक्षक | Aakriti Kumari | 29 |
| **35.** | छोटी सी चिंगारी | विनीता कुमारी | 30 |
| **36.** | मुझे तो स्वयं को जानना है | Sima Priya | 31 |
| **37.** | पथ | Sima Priya | 31 |
| **38.** | मौसम की बातें | Jyoti Kiran Tudu | 32 |
| **39.** | देववाणी | Priyanka Roy | 32 |
| **40.** | हमारे भारतीय छात्राओं की शिक्षा | प्रीति कुमारी | 33 |
| **41.** | मन की उड़ान | Anita Kumari | 34 |
| **42.** | प्रेरणा | कविता हंसदा | 34 |
| **43.** | पत्र का अंतिम शब्द | Manashree layek | 35 |
| **44.** | स्त्री | Sneha Jha | 36 |
| **45.** | ज़िन्दगी की मंज़िल | Surbhi Barnwal | 37 |
| **46.** | मंजिल मिलेगी | प्रोमिला सोरेन | 38 |
| **47.** | उम्मीद का एक सितारा | Neha Jha | 39 |
| **48.** | एक और कोशिश | Surbhi Barnwal | 40 |
| **49.** | कहानी ख्वाब की | Neha Jha | 41 |
| | **English Section** | | |
| **50.** | The Door of Solitude | Swati Gupta | 44 |
| **51.** | Voice of Dev Vani | Anisha Chatterjee | 45 |
| **52.** | When Hard Work Meets Opportunity | Roshni Kumari | 46 |
| **53.** | Science | Akansha Rani | 47 |
| **54.** | Dear Depression | Kajal Kumari | 48 |
| **55.** | Despair to Healing | Anjali Kumari | 49 |
| **56.** | The Night Shift | Kumari Sonal | 50 |
| **57.** | The Voice of Change: The Power of Education | Riya Kumari | 51 |

| Sl. No | Title | Author | Page No. |
|---|---|---|---|
| 58. | Not a Toy | Muskan Kumari | 52 |
| 59. | Save Environment, Save Future | Suman | 53 |
| 60. | Education: The Key to Development | Nishu Kumari | 54 |
| 61. | In the End | Sujata Kumari | 55 |
| 62. | Education: The Key to a Prosperous Future | Annupriya Dayal | 56 |
| 63. | Power of Education | Abhaya Khaware | 57 |
| 64. | The Alchemy of Becoming | Tannu Priya | 57 |
| 65. | The Voice of the Divine | Puja Kumari | 58 |
| 66. | A Warm Cup of Tea | Nisha Soren | 59 |
| 67. | Lotus Soul | Sonal Sharma | 59 |
| 68. | Life Beyond… | Manashree Layek | 60 |
| 69. | Kept Safe | Sonal Sharma | 60 |
| 70. | She Rises Again | Sushmita Mani | 61 |
| 71. | Moon & Streetlight | Eva Anjali Besra | 62 |
| 72. | Shining Tomorrow | Priti Poonam Hembrom | 62 |
| 73. | The Digital Age | Kanak Nandani | 63 |


## संताली खंड
## (Santhali Section)


| | | | |
|---|---|---|---|
| 74. | इना हुदिस | Leena Murmu | 66 |
| 75. | चेहरा | Preeti Murmu | 67 |


## বাংলা খন্ড
## (Bengali Section)


| | | | |
|---|---|---|---|
| 76. | আত্মবিশ্বাস | Sneha Kumari Dey | 71 |
| 77. | প্রকৃতির কণ্ঠস্বর | Payal Kumari | 72 |


## संस्कृत खण्डः
## (Sanskrit Section)


| | | | |
|---|---|---|---|
| 78. | सुभाषितम् | Saraswati Kumari | 75 |
| 79. | संस्कृत भाषायाः महत्त्वम् | Niharika Kumari | 75 |

Name: Sneha Kumari Dey
Roll No. 08
D.El.Ed. (2024-2026)

# हिंदी खंड

*HINDI SECTION*

**Name: Sonali Shilpi**
**Roll No. 35**
**D.El.Ed. (2024-2026)**

# एक लड़की की जीवन कहानी

सपनों से भरी वो आँखें,
हौसलों की मूरत है,
हर दर्द को मुस्कान बना दे,
वो खुद में एक सूरत है।
रिश्तों को दिल से निभाती,
संघर्षों से न डरती है,
हर भूमिका में चमक उठे,
वो लड़की ही शक्ति है।

**Name: Renu Kumari**
**Roll No. 23**
**D.El.Ed. (2025-27)**

**Name: Satoshilla Soren**
**Roll No: 16, B.Ed.**

# आत्मविकास

पंख नहीं है फिर भी उड़ना है,
हर बंधन को अब तो तोड़ना है।
जो खुद को जान गया,
समझो उसने जहाँ
को छू लिया।

**Name: Kanchan Kumari**
**Roll No. 141**
**B.Ed.**

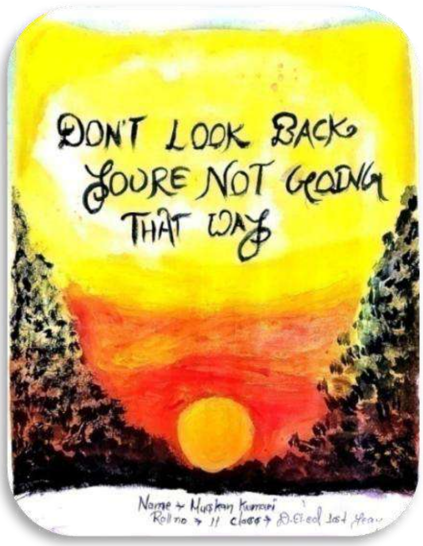

# देववाणी

ऐसी  बानी बोलिये,

मन का आपा खोय।

औरन को शीतल करे

आपहुं शीतल होय।

अर्थ :

भगवान एक है, जो सत्य है जो

निर्माण करते हैं, जो निडर हैं, जिसके

मन में कोई बैर नहीं है, जिसका

कोई आकार नहीं है, जो जन्म मृत्यु

से परे है, जो स्वयं प्रकाशित है।

इनके नाम के जप से ही उनका

आशीर्वाद मिलता है।

और हमारे मन को परम शांति एवं शीतलता मिलती है।

**Name: Sapna Kumari**
**Roll No.  10**
**D.El.Ed. (2025 - 2027)**

# जल बचाओ  जीवन बचाओ

बूंदबूंद से सागर बनता-, जीवन का आधार है जल।

इसके बिन सुना संसार, सूख जाएगा हर एक पल।

नदियाँ बोलें, झरने रोएँ, पेड़ों की प्यास बढ़े दिनदिन।-

अगर न संभाला अब हमने, मिट जाएगी धरती की श्वास तिनतिन।-

प्यासे होठों की यह पुकार सुन लो, मानव अब भी समय है।

हर बूँद में बसता जीवन, यह अमृत नहीं तो क्या है?

टपकती नल की हर बूँद रोक लो, तालाब, झीलों को जीवित रखो।

आज बचाओ, कल संवारो, जल है तो कल है यह जान लो।

Name: Nutan Kumari
Roll No. 09
D.El.Ed. (2024-2026)

Name: Sonali Shilpi
Roll No. 35
D.El.Ed. (2024-2026)

# देश को आओ बचाएँ

डगमगाती आज मंज़िल, जल रही अनगिनत चिता,
खून के आँसू बहाती, मूक भारत माँ खड़ी।
स्वार्थ के दलदल में फँसे जो, और फँसते जा रहे हैं,
हाथ पर ही हाथ रखकर, आज हँसते जा रहे हैं।
टीस क्यों उठती नहीं हृदय में,
जब रक्षक देश के ही थे?

Name: Nishu Kumari
Roll No. 07
D.El.Ed. (2024-2026)

# माँ

प्यारी जग से न्यारी माँ, खुशियाँ देती सारी माँ।
चलना हमें सिखाती माँ, मंजिल हमें दिखाती माँ।
माँ बिन जीवन है अधूरा, खालीखाली सुना-सुना।
खाना पहले हमें खिलाती बाद में वह खुद है खाती।
प्यारी जग से न्यारी माँ, खुशियाँ देती सारी माँ ।
हमारी खुशी में खुश हो जाती दुख में हमारे आँसू बहाती।
रातों को जगाकर, हमारी ख्वाहिशें करती है पूरी ।
प्यारी जग से न्यारी माँ, खुशियाँ देती सारी माँ।

Name: Annpurna Kumari
Roll No. 06
D.El.Ed. (2024-2026)

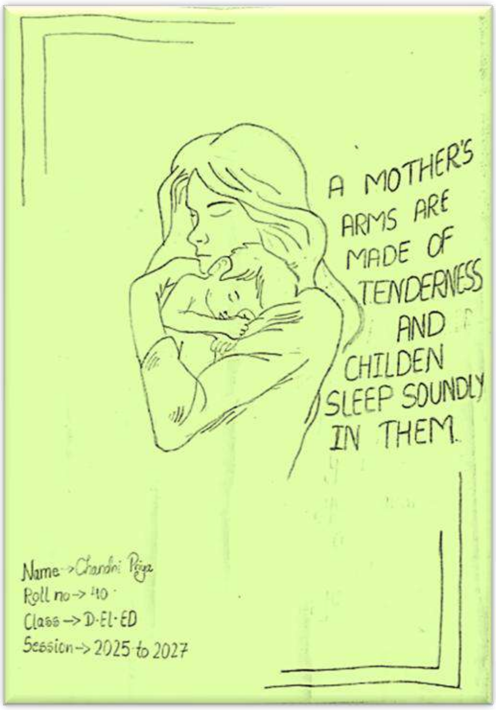

## कहानी पेंसिल और रबड़

एक दिन पेंसिल ने रबड़ से कहा-
तुम हमेशा मिटातेमिटाते छोटी होती जा रही हो-,
क्या तुम्हें बुरा नहीं लगता?
रबड़ मुस्कुराई और बोली-
मुझे दुख तो होता है,
लेकिन अगर मेरी वजह से तुम सही लिखना सीख जाती हो,
तो ये छोटा होना मेरे लिए खुशी की बात है।
इस बात से पेंसिल समझ गई,
जो दूसरों की भलाई के लिए स्वयं को छोटा कर लेता है,
वही असल में महान होता है।

Name: Khushi Kumari
Roll No. 09
D.El.Ed. (2025-27)

Name: Khushi Kumari
Roll No. 09
D.El.Ed. (2025-27)

## हम एक हैं

ईश्वर की प्रिय देन है भारत, वेद कहे है स्वर्ग समान,
सुंदरता कथा कहनी इसकी, इस पर आते देव महान।
कहीं शीत है, गर्मी, वर्षा, कहीं हिमालय हिम का पात,
गढ़वाली बंगाली ही क्या बहुभाषाएँ अरू बहु जात ।
गुजराती है, उड़िया भी है, कहीं तमिल, कही मद्रासी,
हम हैं भारतवासी, एकसमान।

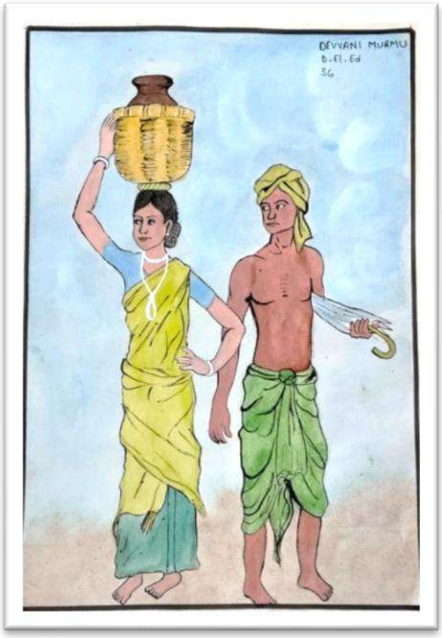


Name: Rajnandani Kumari
Roll No. 04
D.El.Ed. (2024-2026)

# सपनों की उड़ान

कुछ इच्छाएं रखनी भी जरूरी है जिंदगी में,

कुछ चुनौतियों का आना भी जरूरी हैं।

कुछ सपने सजाने भी जरूरी हैं,

पर ये मत भूल जाना कि—

सब कुछ पाना आसान नहीं होता।

कुछ कठिनाईओ का सामना भी करना पड़ता है ,

कुछ चीजों का त्याग भी करना पड़ता है।

स्वयं नहीं आती ख्वाब चल कर पास तुम्हारे,

कई ख्वाइशों को जन्म देना पड़ता है।

यूँ ही नहीं मिलती मंजिल बैठे-बिठाए,

कुछ सपनो की उड़ान भी भरनी पड़ती है।

सपनों की उड़ान भी भरनी पड़ती है।

**Name: Priti Kumari**
**Roll No. 167, B.Ed.**

# माँ ममता की सागर

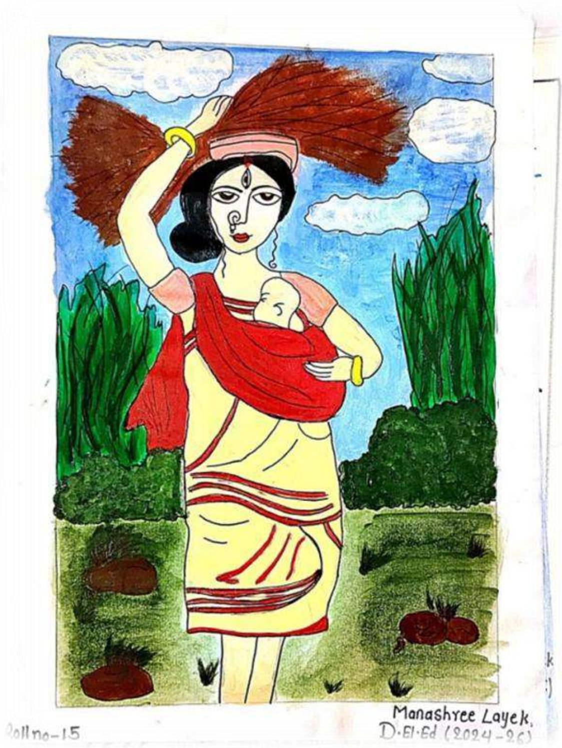


हमें जिंदगी मिले इसलिए वो कितना दर्द उठाती है,
खुद भूखा रहकर हमें अपना निवाला खिलाती है,
हमें नींद ना आए तो अपने गोद में सुला कर लोरियां सुनाती है,
हमें तकलीफ ना हो इसलिए सारी दुनिया से लड़ जाती है।
अपनी ममता की छांव में रखकर बड़े प्यार से उसने पाला है,
इस नफरत भरी दुनिया में उसने खुद को ढाला है,
इस दर्द भरी दुनिया में बस वह ममता का सागर है,
तेरे प्यार के लिए ही माँ, हर इंसान पागल है।
बिना कहे तू, हमारी सारी बातें समझ जाती है,
हमारी हर जरूरत को झट से पूरा कर जाती है,
वैसे तो बिगाड़ने वालों की कमी नहीं है दुनिया में,
पर तू सही राह पर चलने का रास्ता दिखलाती है।
पता नहीं तू इतना प्यार कहाँ से लाती है,
शायद इसीलिए तो संसार में माँ कहलाती है।

**Name: Riya Kumari**
**Roll No. 30**
**D.El.Ed. (2024-2026)**

# दहेज-प्रथा

भारतीय संस्कृति में कन्यादान की परम्परा चलने वालों ने नारी जाति के साथ बहुत ही बड़ा न्याय किया है। देश में कन्यादान के साथ दहेज दान यानि दहेज-प्रथा का चलन हमारे यहाँ हजारों सालों से चल रहा है। दहेज-प्रथा का अर्थ यानि माता पिता अपनी बेटी की शादी करते समय दूल्हे के परिवार वालों को- दहेज देते हैं ताकि उनकी बेटी ससुराल में सुख से रह सके। पहले के समय मेंदहेज देने की प्रथा बहुत कठिन नहीं थी। मातापिता दहेज के रूप में दो चार बर्तन-, कपड़े, गाय आदि देते थे। वर्तमान समय में यह बिल्कुल अलग है।

दहेज का वर्तमान स्वरुप -:
दहेज का वर्तमान स्वरुप आज के समय में बहुत ही घातक और विकराल रूप ले चुका है। क्यूंकि आज के समय में यदि लड़की वाले अच्छा दहेज नहीं देते तो लड़के वाले लड़की और उसके परिवार का जीना मुश्किल कर देते हैं और जब तक मुँह माँगा दहेज नहीं दिया जाता है, तो परेशानी का दौर चलता रहता है।

उपसंहार -:
देश की सरकार ने दहेज प्रथा के विरोधी कानून बनाकर इस प्रथा को रोकने की कोशिश की है। परन्तु आज के समय में दहेज कानून में कई सारी कमियाँ भी हैं। सरकार को दहेज प्रथा से जुड़े कानूनों को और भी कठोर और मजबूत बनाने की ज़रूरत है ताकि जो भी दहेज मांगे उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही हो सके। लेकिन इसी के साथ जनता को भी कानून का साथ देना बहुत जरूरी है तभी ये प्रथा पूर्ण रूप से खत्म हो सकेगी।

**Name: Pratiksha Rani**
**Roll No. 42, D.El.Ed. (2025-2027)**

# पर्यावरण बचाओ- एक पुकार

कभी थी धरती हरियाली से भरी,
अब प्यासे हैं पर्वत, सूखी है नदियाँ।
हवा में घुला जहर कहता है धीरेधीरे--
मनुष्य, तू अपनी ही कब्र खुद खोद रहा है।
पेड़ों के बिना साँस अधूरी है,
फिर भी हर दिन जंगल जलते हैं।
मशीनों की चीख में दब गई है
चिड़ियों की वह मीठी तान।
नदियाँ अब आईनोंसी नहीं रहीं-,
कचरे में डूबे उनके सपने हैं।
धरती की कोख से निकाले गए खनिज,
अब उसके ही घाव बन गए हैं।
हम भूल गए- कि विकास का अर्थ विनाश नहीं होता,
सुविधा का मतलब संवेदना खोना नहीं होता।
अब भी वक्त है-आओ, पेड़ लगाएँ, नदी बचाएँ,
कम बोलें, ज़्यादा करें। कम लें, ज़्यादा लौटाएँ।
क्योंकि आने वाली पीढ़ियाँ केवल किताबों में न पढ़ें-
कि कभी धरती हरी हुआ करती थी।

**Name: Ankita Kumari**
**Roll No. 02 , D.El.Ed. (2024-2026)**

# क्या है ज़िन्दगी

Name: Juli Hansda
Roll No. 35, B.Ed.

देखो तो ख्वाब है ज़िन्दगी

पढ़ो तो किताब है ज़िन्दगी

हंसकर स्वीकारो

तो खिताब है ज़िन्दगी

अपने पथ पर अडिग हो

तो रूबाब है ज़िन्दगी

सोचो विचारों खुशमय पलों के विषय में-

तो एक ख्वाब है ज़िन्दगी

चिंतन मग्न को दिए खुशमय पलों को

तो खराब है ज़िन्दगी

जीवन में स्वयं खुशियों की महक  से उत्साहित करो

तो गुलाब है ज़िन्दगी

घोर दुखों में भी खुशियां ढूंढ लो

तो बेहिसाब है ज़िन्दगी

और निश्चिंत हंसते मुस्कुराकर हार या दुख स्वीकार-
करो

तो लाजवाब है ज़िन्दगी

Name: Silpi Kumari
Roll No. 46
D.El.Ed (2025-27)

# शिक्षक और छात्र

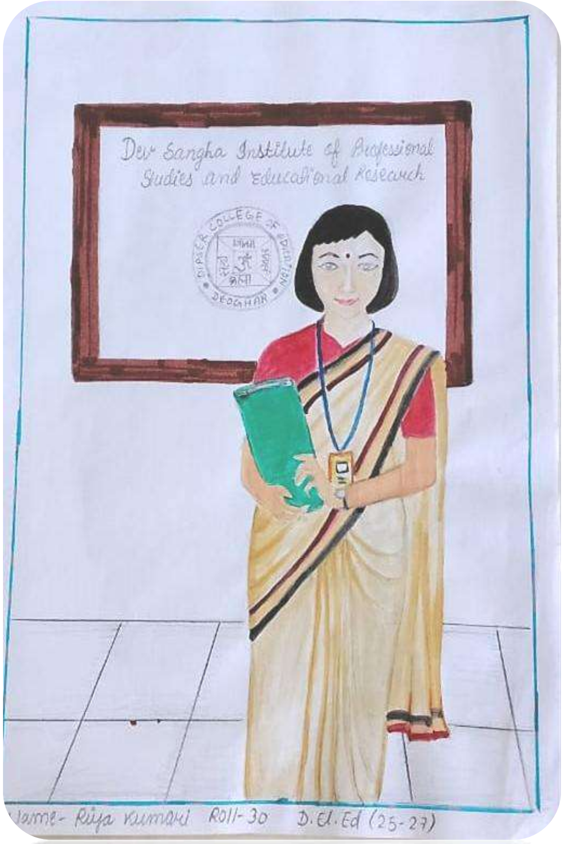


शिक्षक और छात्र का संबंध संसार का सबसे पवित्र संबंध माना जाता है।

शिक्षक वह दीपक है जो स्वयं जलकर दूसरों के जीवन को रोशन करता है।

वह केवल किताबों का ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि जीवन जीने की सही दिशा भी दिखाता है।

छात्र उस पौधे की तरह होता है जिसे शिक्षक अपने ज्ञान, प्रेम और परिश्रम के जल से सींचता है।

एक अच्छा छात्र वही है जो अपने शिक्षक का सम्मान करें, उनकी बातों को ध्यान से सुने और जीवन में उन्हें अपनाए।

जब शिक्षक और छात्र दोनों अपने अपने कर्तव्यों-का पालन करते हैं, तभी शिक्षा का सच्चा अर्थ पूरा होता है और समाज प्रगति की ओर बढ़ता है।

शिक्षक और छात्र एकदूसरे के पूरक हैं।- जहाँ शिक्षक ज्ञान देता है, वहीं छात्र उस ज्ञान को अपने आचरण से सार्थक बनाता है।

**Name: Shomya Singh**
**Roll No. 04**
**D.El.Ed. (2025-27)**

# भाई-बहन की कहानी

एक छोटे कस्बे में भाईबहन रहते थे-, बचपन में दोनों हर छोटी चीज पर लड़ते भी थे, और पल भर में मान भी जाते थे।

भाई हमेशा बहन की रक्षा करता और बहन भाई की हर परेशानी को बिना बताए समझ जाती

समय बिताबहन की शादी हो गई घर से विदा होते .. समय उसने रोते हुए भाई से कहा, अब मैं दूर जा रही हूं लेकिन याद रखना..

मेरी हँसी और दुआएँ हमेशा तुम्हारे साथ रहेंगी.....

भाई ने आँसू रोक कर बस इतना कहा—तुम चाहे जहाँ रहो बहन, मैं हमेशा तुम्हारा सहारा रहूँगा।

Name: Sulekha Kumari
Roll No. 14
B. Ed.

# शिक्षा और छात्र

शिक्षा मानव जीवन का सबसे महत्वपूर्ण आधार है या सिर्फ किताबों में लिखे शब्दों को याद करना नहीं बल्कि सोचने समझने और अच्छा इंसान बनने की कला है, शिक्षा ही वह साधन है जो एक साधारण बालक को महान बना सकती है।

छात्र अर्थात् वह व्यक्ति जो सीखने की इच्छा रखता है, एक सच्चा छात्र वह नहीं जो केवल अच्छे अंक लाइ, बल्कि वह है जो ज्ञान को अपने आचरण और व्यवहार में उतारे, एक छात्र का जीवन तपस्या के समान होता है, अनुशासन, मेहनत और समर्पण इसमें आवश्यक है।

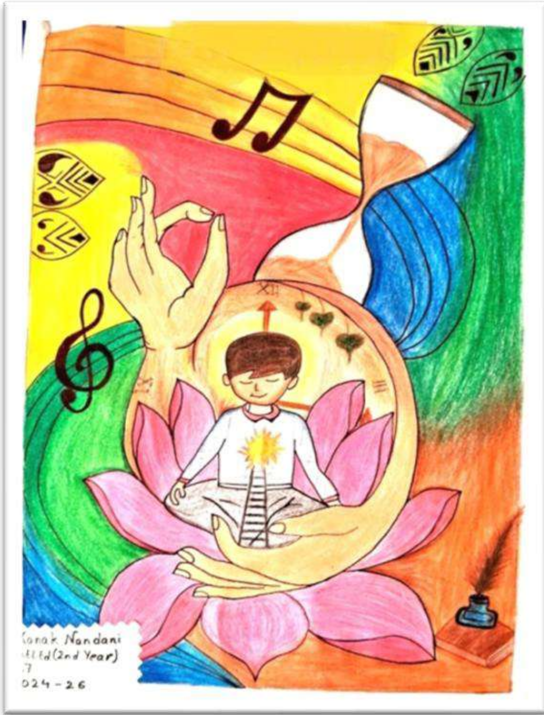

शिक्षा और छात्र का संबंध वैसे ही है जैसे धरती और बीज का। शिक्षक, माली के समान होता है, जो ज्ञान रूपी जल से छात्र रूपी बीज को सींचता है और शिक्षा सूरज की तरह होती है, जो रोशनी देखकर उसे प्रकाशित करती है।

शिक्षक का सम्मान करना

समय का पालन करना

जिज्ञासु और अनुशासित रहना

अपने व्यवहार पर शालीनता लाना

शिक्षा को केवल परीक्षा के लिए नहीं जीवन के लिए सीखना

शिक्षा और छात्र एक दूसरे के पूरक है, बिना शिक्षा के छात्र अधूरा है। मेहनती छात्र यदि शिक्षा को धर्म मानकर और शिक्षा के मूल्यों को समझकर उसे धर्म के रूप में अपना लें, तो वही शिक्षा उन्हें स्वावलंबी बनाएगी।

**Name: Riya Bharti**
**Roll No. 19**
**B.Ed.**

# दिल के किसी कोने में

फिर से खिला उसका सपना
कभी आँखों में था सपना,
बच्चों को पढ़ाना, गुरु बनना,

किताबों में ढूँढती थी दुनिया,
ज्ञान से जीवन को सजाना।
पर वक्त ने पलट दी राहें,
शादी की डोर में बँध गई चाहें,
ना पढ़ाई, ना कोई मंज़िल,
सिर्फ़ घर, बच्चा और जिम्मेदारियाँ रहीं साहिल।
दिन बीतते गए थकान में,
खुद को खो दिया सम्मान में,
दिल के किसी कोने में,
अब भी जलती थी एक उम्मीद की लौ धीरेधीरे।-
फिर एक दिन जैसे सूरज निकला,
पति ने थामा उसका हाथ सच्चा,
कहा-अब अपनी उड़ान ले,
तेरा सपना फिर से आसमान छू ले।
भर आई आँखें, पर मन में जोश,
फिर से उठी वो, कर ली कोशिश,
शिक्षक प्रशिक्षण का पथ चुना,
ज्ञान की ज्योति फिर से बुनी।
आज वो मुस्कुराती है,
बच्चों को सिखाती है,
घर भी संभालती, सपने भी जीती,
अब वो सिर्फ़ माँ नहीं- एक शिक्षिका कहलाती है।
फूलों सी खिली, उम्मीदों में घिरी,
अब वो जानती है-
ज़िंदगी रुकी नहीं थी,
बस ठहरी थी थोड़ी देर के लिए।

Name: Sangita Kumari
Roll No. 13
D.El.Ed. (2025 - 2027)

# लड़कियों की जिन्दगी आसान नहीं होती

भाई की लाडली है और है हर फिक्र से अनजान, माँ का सपना और पिता का अभिमान. पर क्या जानते हैं आप एक नन्ही सी परियों की एक दायरे से बाहर कभी उड़ान नहीं होती. और जितना सोचते हैं, हम लड़कियों की जिंदगी उतनी आसान नहीं होती.
जन्म होते ही मां इनके गहने जुटाने लगती है ,क्या सही है, क्या गलत, हर बात पर समझाने लगती है, देखो तुम लड़की हो अपना ध्यान रखना, जमाने को बदलना मुमकिन नहीं इसलिए कपड़ों का खास ख्याल रखना.

सुनो किसी की बातों में मत आना, और कुछ भी गलत लगे तो सबसे पहले मुझे बताना। जमाने के साथ चलना इन्हें बेशक सिखाया जाता है, पर साथ ही एक दायरा भी समझाया जाता है ।

खुद की जन्मी दुनिया में, खुद ही महफूज नहीं होती,

और जितना सोचते हैं हम लड़कियों की जिंदगी उतनी आसान नहीं होती।

**Name: Tanuja Kumari**
**Roll No. 7**
**D.El.Ed. (2025-2027)**

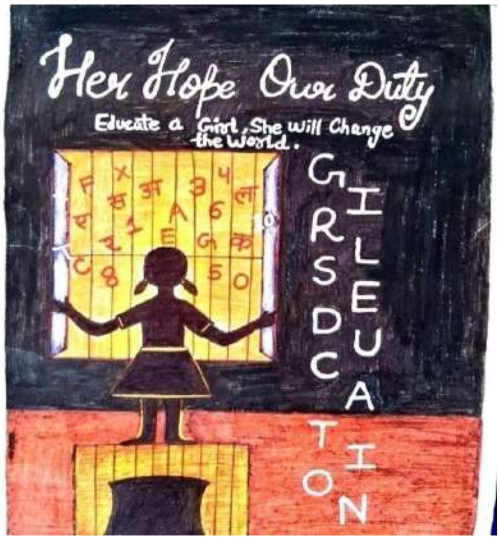


**Name: Aditi Misra**
**Roll No. 51**
**B.Ed.**

# और वे लोग

समाज में हर व्यक्ति को समान अधिकार और सम्मान मिलना चाहिए, चाहे उसका लिंग कोई भी हो। ट्रांसजेंडर वह लोग होते हैं जिनकी लेगिंग पहचान (जेंडर आईडेंटिफाई) उनके जन्म के समय दिए गए लिंग से अलग होती है. ओ ना ही पूरी तरह महिला/ पुरुष या कभी कभी दोनों का मिश्रण-होते है।

परिचय-:

भारत में ट्रांसजेंडर समुदाय को अक्सर किन्नर या हिजरा कहा जाता है। यह समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन लंबे समय तक इनको भेदभाव और उपेक्षा का सामना करना पड़ा है। स्कूल, नौकरी ,स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन में इन्हें बराबरी का अधिकार बहुत देर से मिला।

इतिहास और समाज में स्थान-:

भारत में ट्रांसजेंडर समुदाय का इतिहास बहुत पुराना है। प्राचीन काल में राजाओं के दरबार में इनका खास स्थान होता था। धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में इनकी उपस्थिति को शुभ माना जाता है। लेकिन समय के साथ समाज में उनके प्रति नकारात्मक सोच विकसित हो गई।

आज फिर ट्रांसजेंडर लोगों को परिवार, शिक्षा, नौकरी और समाज में भेदभाव का सामना करना पड़ता है। कई बार परिवार भी उन्हें स्वीकार नहीं करता, जिससे वह मानसिक तनाव में जीने को मजबूर हो जाते हैं। रोजगार के अवसर न मिलने के कारण उन्हें सड़क पर भीख मांगना या छोटे-मोटे काम करने पड़ते हैं।

निष्कर्ष-:

हमें समाज की सोच बदलनी होगी । ट्रांसजेंडर भी इंसान है और उनके भी प्यार सामान और बराबरी का अधिकार मिलना चाहिए।

**Name: Muskan Kumari**
**Roll No. 39**
**D.El.Ed. (2025-2027)**

# ऑपरेशन सिंदूर- बलिदान का रंग

सर्दियों की ठंडी सुबह थी, पहाड़ पर कोहरा छाया हुआ था, जब भारतीय सेवा को एक आपात संदेश मिला. सीमा के पास कुछ गांव वाले को दुश्मनों ने बंदी बना लिया है हालत गंभीर था सरकार ने तुरंत एक मिशन शुरू किया जिसका नाम रखा – "ऑपरेशन सिंदूर". इस मिशन का नाम इसलिए रखा गया क्योंकि यह त्याग "सिंदूर", प्रेम और साहस का प्रतीक है जो हर भारतीय सैनिकों के खून में बहता है. वही लाल रंग जो मातृभूमि की रक्षा के लिए समर्पित होता है।

रात के अंधेरे में वह आगे बढ़े ठंडी हवाओं ने उनका रास्ता रोका लेकिन उनके हौसले बर्फ से भी मजबूत थे। आरव ने अपनी टीम से कहा-

"हमारा खून मिट्टी को रंग डे, पर हमारी जीत तिरंगे को सजा देगी।

2 दिन की कठिन यात्रा के बाद उन्होंने दुश्मनों का ठिकाना ढूंढ निकाला।चारों ओर सन्नाटा था। ऑपरेशन शुरू हुआ, चुपचाप पर पूरे जोश के साथ।

सैनिकों ने पहरेदारों को निष्क्रीय किया और अंदर घुस गए । तभी अचानक गोलियों की बौछार शुरू हो गई। चारों ओर धमाके होने लगे। फिर भी भारतीय सैनिकों ने हार नहीं मानी। आरव घायल हो गए फिर भी उन्होंने कहा- अरे आगे बढ़ो भारत तुम्हारा इंतजार कर रहा है। "

सुबह होते  होते मिशन पूरा हो चुका था । तिरंगा उसे घाटी में लहरा रहा था। ऑपरेशन - सिंदूर सफल रहा, लेकिन मेजर अब अब नहीं  थे । उनकी वर्दी पर खून के लाल धब्बे, वही सिंदूर बन गए  बलिदान का सिंदूर। -

आज भी उस जगह की मिट्टी में आरव की आवाज गूंजती है -"सिंदूर सिर्फ माथे का नहीं होता, यह हर उस सैनिक के लोगों में होता है जो देश के लिए जीता और मारता है।"

Name: Prity kumari
Roll No. 37
D. El. Ed. (2025-2027)

# दहेज-प्रथा

समाज के लिए अभिशाप बन चुकी है। बहुत से माता पिता अपनी बेटियों की शादी के-लिए भारी दहेज देने को मजबूर होते हैं। दहेज न मिलने पर बहुओं को ताने दिए जाते हैं, प्रताड़ित किया जाता है, यहाँ तक कि उन्हें जला दिया जाता है।

यह प्रथा न केवल समाज में असमानता फैलाती है, बल्कि स्त्रियों के प्रति अत्याचार को भी बढ़ावा देती है। दहेज के कारण गरीब माता पिता अपनी बेटियों को बोझ समझने लगते-हैं, जिससे कन्या भ्रूण हत्या जैसी घटनाएँ भी बढ़ती हैं।

**Name: Anjani Kumari**
**Roll No. 22**
**D.El.Ed. (2025-27)**

# ऑपरेशन सिंधु- एक वीर गाथा

सीमा पर जब बाण बिछाए,
दुश्मन ने फिर शस्त्र उठाए,
सिंधु हो उठे वीर सपूत हमारे,
फिर से अपना वचन निभाए।

चल पड़ा मौजा में हिन्दुस्तान,
धूम मचाने लगा सिंधु समान,
'ऑपरेशन सिंधु' एक नाम प्रतीक,
बोला बलिदानों की भाषा महान।

गले ब्लस्टर पर हौसला न डोला,
दुश्मन सिपाही बना युध्द का गोला,
सिंधु की फिर से चमकी सेना,
लिख दी कहानी बहादुरी की धुन में।

बाँध को रोकने झुका नहीं था,
वो फिर से अपना झंडा लहराया,
सिंधु बना ताकत का प्रतीक,
हर योद्धा ने तीर चलाया।

सलाम उन रणबाँकुरों को,
जिनके दम पर भारत खड़ा है,
ऑपरेशन सिंधु की जय हो,
जो हर दिल में अमर गाथा है।

**Name: Jyoti Kumari**
**Roll No. 48**
**D.El.Ed. (2025-2027)**

# मीठी बोली की  ताकत

एक छोटी सी गांव में एक प्यारी, सच्ची और समझदार लड़की रहती थी उसका नाम था देववाणी. वह सबकी मदद करती, बुजुर्ग का आदर करती और बच्चों से हमेशा प्यार से बात करती तो उसका मन खुश हो जाता।  देववाणी के गांव में कई बार झगड़ा हो जाते थे, कभी पड़ोसी आपस में उलझ जाते, तो कभी बच्चे आपस में लड़ पड़ते, लेकिन जब देववाणी वहां पहुंचती तो सब का गुस्सा अपने आप शांत हो जाता । गुस्सा करने से कोई समस्या हल नहीं होती लेकिन प्यार से बात करने से हर समस्या को जीत सकते हैं।

एक गांव में एक बड़ा विवाद हुआ। दो परिवारों में खेत की जमीन को लेकर बहुत झगड़ा हो गया लोग एक दूसरे से बात तक नहीं कर रहे थे। देववाणी ने हिम्मत दिखाई । वह दोनों परिवारों के पास गई और बोली । हम सब एक ही गांव के हैं अगर हम साथ रहे तो सुख मिलेगा अगर लड़े तो सबका नुकसान होगा।

उसकी सच्ची और मीठी वाणी ने सब के मन को छू लिया । धीरे धीरे सभी लोग कहने-लगे। देववाणी की वाणी सच में देवी जैसी है।

**Name: Rakhi Kumari**
**Roll No. 32**
**D.El.Ed. (2025-2027)**

# बाढ़ का प्रभाव

बाढ़ का प्रभाव विनाशकारी होता है, जिसमें जीवन की हानि, संपत्ति और बुनियादी ढांचे को नुकसान, फसलों का विनाश, और जलजनित रोगों का खतरा शामिल है। इसके अतिरिक्त, बाढ़ से मिट्टी का अपरदन, पर्यावरण को नुकसान और आर्थिक कठिनाई भी होती है।

जान :माल की हानि-

बाढ़ के सबसे गंभीर प्रभाव में मानव और पशुधन की हानि शामिल है।

संपत्ति और बुनियादी ढांचे को नुकसानघर :, इमारतें, पुल, सीवेज सिस्टम और बिजली की लाइनें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं।

आर्थिक क्षति :

व्यवसायों को नुकसान होता है, जिससे पर्यटकों की संख्या में कमी आती है और पुनर्निर्माण की लागत बढ़ जाती है।

फसलों का विनाश :

बाढ़ के कारण कृषि भूमि जलमग्न हो जाती है, जिससे फसलों को भारी नुकसान होता है और भोजन की कमी हो सकती है।

प्रदूषण एवं जलजनित रोगबाढ़ का पानी अपने साथ प्रदूषक ला सकता है :, जिससे जल स्रोतों की गुणवत्ता खराब हो सकती है। बाढ़ के दूषित पानी के कारण टाइफाइड और हैजा जैसी बीमारियाँ फैल सकती हैं।

मानसिक स्वास्थ्य बाढ़ के अनुभव से : भावनात्मक तनाव बढ़ सकता है।

मिट्टी का अपरदन बाढ़ की तेज धारा मिट्टी : और तट का कटाव करती है।

वन्यजीव आवासों का विनाश वन्यजीवों के : प्राकृतिक आवास भी बाढ़ से प्रभावित हो सकते हैं या नष्ट हो सकते हैं

**Name: Anjani Kumari**
**Roll No. 22**
**D.El.Ed. (2025-2027)**

**Name: Payal Kumari**
**Roll No. 183**
**B.Ed.**

# यादें

यादें वो तस्वीर हैं, जो दिल में बस जाती हैं,

वक़्त चाहे कितना भी गुज़र जाए,

यादें नहीं मिटती हैं।

कभी मुस्कान बन आती हैं होंठों पर अचानक,

कभी आँखों से बनकर बरस जाती हैं सावन।

कभी किसी खुशबू में छिपा वो लम्हा मिलता है,

कभी किसी राह पर कदम रुक सा जाता है।

बीते पल तो लौट नहीं सकते वापस,

पर यादें ही तो देती हैं जीने का साहस।

ज़िंदगी चलती रहती है, पल बदलते जाते हैं,

पर कुछ लोग, कुछ लम्हे... बस दिल में रह जाते हैं।

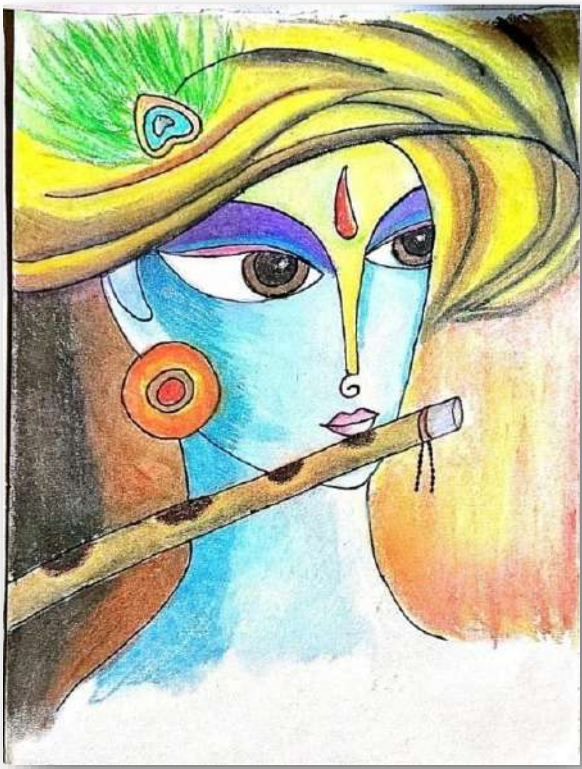


**Name: Renu Kumari**
**Roll No: 23**
**D.El.Ed. (2025-2027)**

# समय

फ्रैंकलिंग का कहना था यदि तुम्हें जीवन से प्रेम और मोहब्बत है तो समय को व्यर्थ में मत गवाओ क्योंकि जीवन इसी से बना है । समय ही तो जीवन है, ईश्वर लोगों को एक ही क्षण देता है और दूसरा क्षण वापस ले लेता है । समय वह वस्तु है जिसे हम खोकर पुनः प्राप्त नहीं कर सकते हैं, समय का कोई मोल नहीं है, समय धन से अधिक महत्वपूर्ण है । हम जितना परिश्रम करेंगे उतना धन कमा सकते हैं, पर समय का कोई मूल्य नहीं है हम हजार परिश्रम करके भी 24 घंटे में 1 मिनट भी नहीं बढ़ा सकते हैं ।

हमें उचित कार्य उचित समय पर पूरा करना चाहिए जो आज का काम कल पर कल का काम परसों पर टालते हैं वो अपने लिए मुसीबतों का जजाल खड़ा करते हैं जो व्यक्ति उचित समय पर कार्य नहीं करता वह समय को नष्ट करता है और एक दिन ऐसा आता है जिसे समय ही नष्ट कर देता है जो छात्र या छात्रा पढ़ाई के समय ईधर उधर करता - वह परिणाम आने पर रोते रहता हैं ।

समय रूकता नहीं है इसलिए हमें समय की आगवानी करनी चाहिए समय सम्मान मांगता है इसलिए कबीर दास ने कहा हैकल करे सो आज कर "-, आज करे सो अब,पल में परले होवेगा, बहुंरि करेगा कब । जो व्यक्ति समय का सम्मान करना जानता है समय भी " उसकी सम्मान करती । प्रकृति काकनकन-, समय से बंधा हुआ है, पृथ्वी अपनी घुर्नी पर घुर्नण में थोड़ी भी देरी कर दे तो क्या परिणाम होगा। यदि रोगी को सही समय पर दवां न मिले तो उसकी मौत हो जाएगी। गांधी जी समय के पक्के पाबन्ध थे। मिनट भर भी देर करने वालों को छमा नहीं करते थे। इसलिए हमें समय की महत्वत्ता को समझना चाहिए।

**Name: Saraswati Kumari**
**Roll No. 24**
**D.El.Ed. (2025 – 27)**

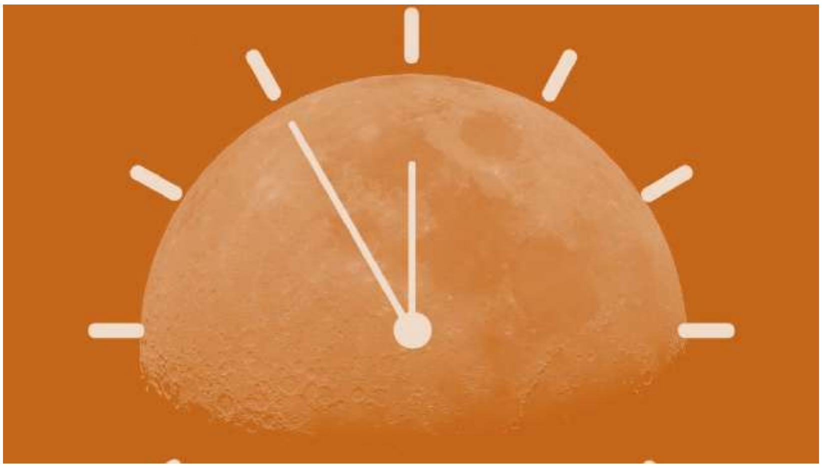

# वो मंज़िल की रानी

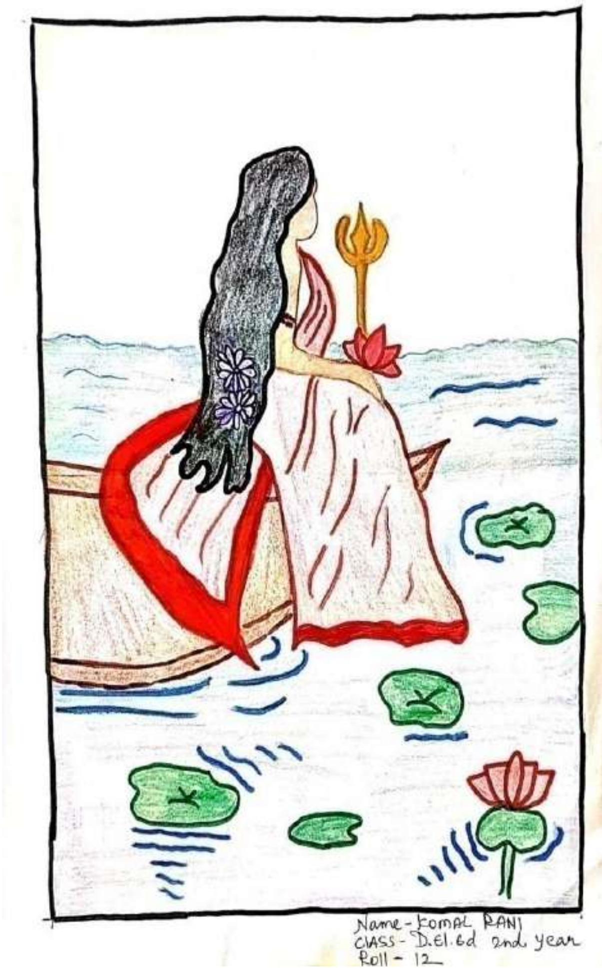


छोटी सी थी, बड़े थे सपने,
मुश्किलों से भी जीते अपने।
किताबों में छिपे थे अरमान,
मेहनत थी उसकी पहचान।
शादी के बाद बढ़ा बोझ नया,
पर हिम्मत ने कभी न कहा "थक गया।"
सुबह से शाम तक काम सँभाले,
फिर भी हँसी से घर को सजाले।
रातों में थककर जब सोती,
सपनों की राह फिर भी रोती।
वो जानती है- हार नहीं माननी,
क्योंकि वो खुद अपनी कहानी है जानती।

**Name: Kanchan Kumari**
**Roll No. 08**
**D.El.Ed. (2025- 2027)**

# कहानीः भगवान का दिखावा

एक गाँव में रामू नाम का आदमी रहता था। वह गरीब था, पर लोगों में अपना सम्मान चाहता था। एक दिन उसने गाँववालों को कहा कि- मुझ पर भगवान आते हैं।

लोगों ने उसकी बात मान ली और हर शुक्रवार उसके घर भीड़ लगने लगी। वह आँखें बंद करके अजीबअजीब- बातें करता और लोग समझते कि भगवान बोल रहे हैं।

धीरेधीरे रामू को पैसे और इज़्ज़त मिलने ल-गी। लेकिन एक दिन गाँव के एक पढ़े लिखे- -नौजवान ने कहाअगर तुम पर सच में भगवान आतेहै, तो हमें गाँव के बीमार लोगों को ठीक कर दिखाओ।

रामू चुप हो गया। लोग समझ गए कि यह सब नाटक था। उसके बाद गाँव में किसी ने ऐसे झूठे दिखावे पर भरोसा नहीं किया।

"भगवान आस्था में है,दिखावे में नहीं। अंधविश्वास हमें सच्चाई से दूर करता है।

सच्चा धर्म, सच बोलना और अच्छा करना है, झूठा दिखावा नहीं।"

**Name: Tanuja Kumari**
**Roll No. 07**
**D.El.Ed. (2025-2027)**

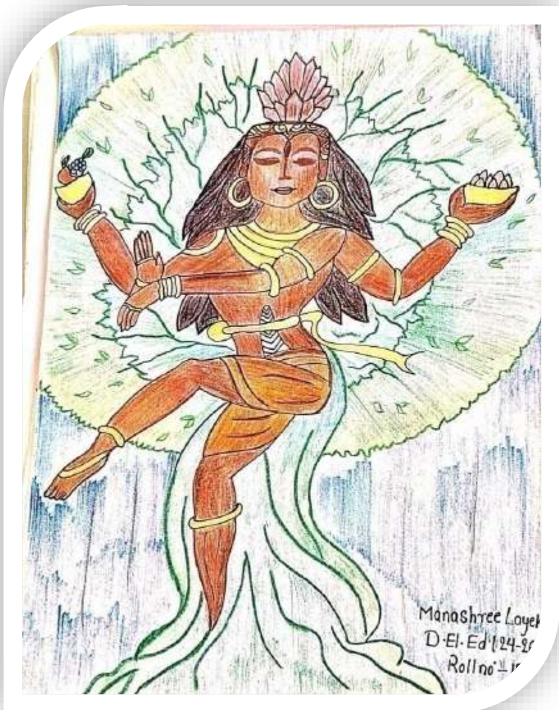

# कहानीः भूत का डर या भ्रम ?

एक गाँव में हर कोई पुराने पीपल के पेड़ से डरता था। लोगों का कहना था कि रात में वहाँ भूत आता है। किसी को वहाँ से हँसी की आवाज़ सुनाई देती थी, तो कोई कहता वहाँ से रोशनी निकलती है।

एक दिन गाँव के ही स्कूल में पढ़ने वाला लड़का मोनू ने ठान लिया कि वो सच्चाई पता करेगा। वह रात में टॉर्च लेकर गया। पास जाकर देखा तो वहाँ कुछ बच्चे छिपकर मोमबत्ती जलाकर खेल रहे थे! अगले दिन मोनू ने यह बात सबको बताईं। गाँववालों को एहसास हुआ कि भूत नहीं उनका डर और कल्पना ही उन्हेंधोखा देरही थी।

मोरल -(सीख)

अंधविश्वास, इंसान का मन का डर है, सच्चाई से सामना करोतो डर खत्म हो जाता है।

भूत नहीं होते, केवल हमारे भ्रम होते हैं। विज्ञान और समझ से सोचो, बिना सबूत किसी बात पर विश्वास मत करो।

**Name: Anupama Kumari**
**Roll No. 50**
**D.El.Ed. (2025-27)**

# अच्छे गुण अपनाओ

ईमानदारी रखो सदा, झूठ कभी न बोलो।
मेहनत से जो पाया जाए, वही सच्चा मोलो।।
बड़ों की आज्ञा मानो, छोटों से प्रेम करो।
दया और करुणा से, हर मन को रोशन करो।।
मिल-जुलकर सब चलेंगे, साथ निभाएंगे।
अच्छे गुण अपनाकर, जीवन को सुंदर बनाएंगे।।

**Name: Misha Hembrom**
**Roll No. 163**
**B. Ed.**

# बचपन के दिन

चंदा की चांदनी जैसे थे वो दिन,
ना कोई चिंता, ना कोई गम का छिन।
मिट्टी में खेलना, बारिश में भीगना,
छोटे-छोटे ख्वाबों में खो जाना।
माँ की गोद थी सबसे प्यारी जगह,
एक कहानी में बीत जाती थी शामें सभी।
कागज़ की नावें, रंग-बिरंगे सपने,
हर पल था मीठा, जैसे हों सब अपने।

ना किताबों का बोझ, ना जिम्मेदारी,
हर चीज़ में बस थी खुशियों की सवारी।
गुड़िया, गुड्डे और पतंगों की डोर,
जैसे हर दिन मचाता हो नया शोर।
अब तो बस तस्वीरों में बाकी हैं वो पल,
दिल कहता है— काश! लौट आए वो कल।
यादों के झरोखों में वो बचपन सजा है,
जो हर मुस्कान में आज भी बसा है।

Name: Shempu kumari
Roll No. 45
D.El.ED. (2025-2027)

# जीवन

जीवन एक राह निराली है,
कभी धूप तो कभी छाँव  प्यारी
हँसी के संग आँसू भी मिलते,
हर पल में नई कहानी
कभी हार में भी सीख छिपी है,
कभी जीत में भी थकान मिली है।
चलते रहो तो मंज़िल मिलती,
रुक जाओ तो राह  थमी
जीवन का अर्थ सुख में नहीं,
संघर्ष में भी सौंदर्य छिपा है।
जो गिरकर भी मुस्कुराए,
वही सच्चा जीवन जीता है।
हर सुबह नई उमंग जगाए,
हर शाम कुछ याद दिलाए।
जीवन तो एक यात्रा है प्यारी,
जिसमें हर पल कुछ सिखाए।

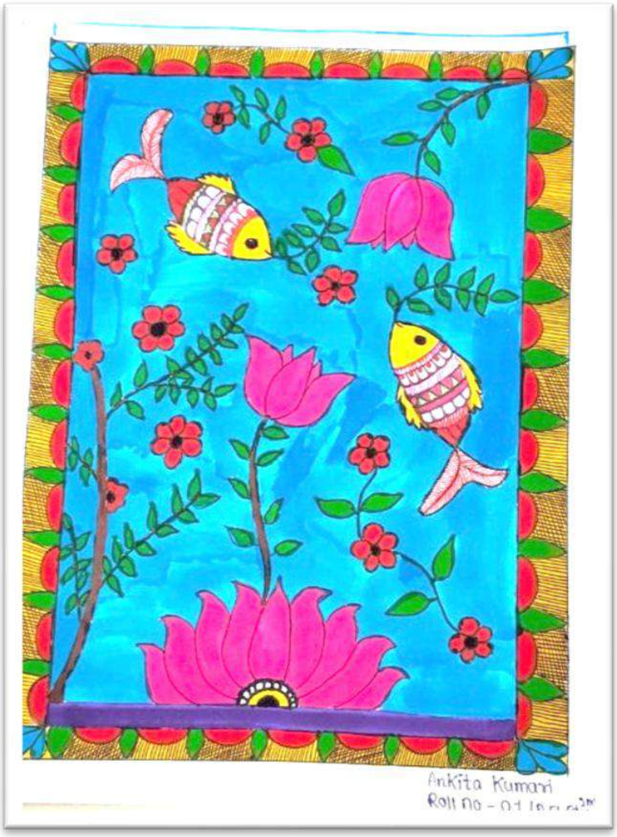


**Name: Nishu Kumari**
**Roll No. 116**
**B.Ed.**

# संघर्ष जीवन की

हारा वही जो लड़ा नहीं ,
झुका वही जो मुसीबतों के आगे डटा नहीं ,
उतार-चढ़ाओ है कही न कही
घाव गहरे तनों का प्रहार हो सही।
टूटा वही जिसमें धैर्य नहीं,
हारा वही जो लड़ा नहीं।
ज़िंदगी तुझे तपाएगी हर घड़ी
धैर्य मेहनत ही है जीवन की असली कड़ी।
संघर्ष जीवन की जादूई छड़ी ,
सफलता दिलाए बड़ी से बड़ी,
चाहे तू रहा मै अकेला ही सही,
जीत होगी वक्त आयेगी सही ।
जीवन के महाभारत में तू खड़ा कही ,
याद रख ,
हारा वही जो लड़ा नहीं.

**Name: Deepshika**
**Roll No. 135**
**B.Ed.**

**Name- Manashree Layek**
**D.El.Ed. (2024-2026)**

# शिक्षक

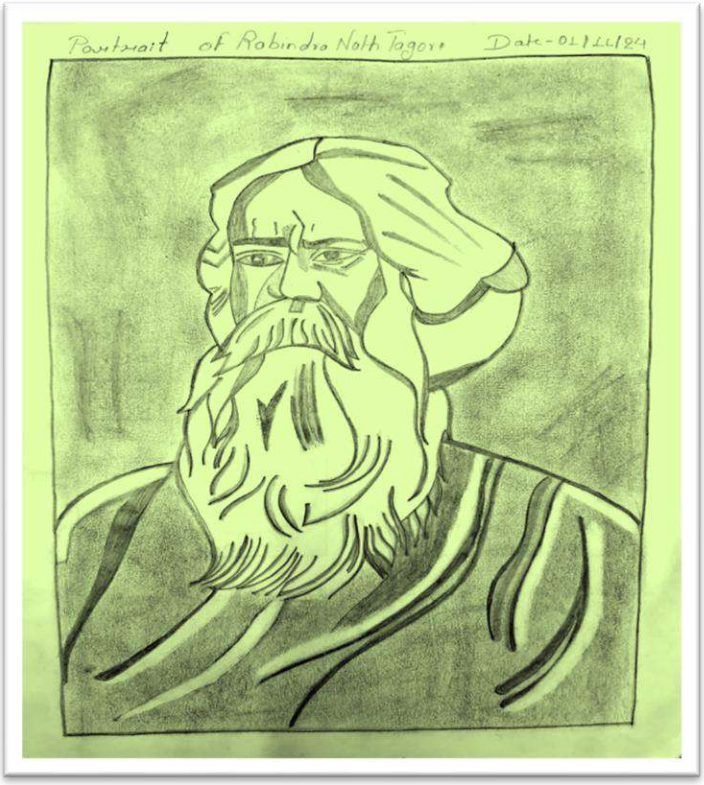


शिक्षक शिष्य के जीवन का वो दर्पण,
जो उन्हें अनमोल सही ज्ञान करते
अर्पण।
शिक्षक तो कामयाबी की वो सीढ़ी,
देकर शिक्षा शिक्षित कर जाते कई
पीढ़ी।
शिक्षक तो हमारे जीवन का वो वरदान,
जो बनकर मार्गदर्शक सही मार्ग करते
प्रदान।
जीवन के इस सफर में कई शिक्षकों से
हुई भेंट,
सबसे मिला अपार सहयोग आशीर्वाद
की भेंट।
शिक्षक तो ईश्वर का दूसरा नाम,
आशीर्वाद से जिनके बनते शिष्यों के सभी काम,
मेरे सभी शिक्षकों को कोटी-कोटी प्रणाम।।

**Name: Aakriti Kumari**
**Roll No. 109**
**B.Ed.**

# छोटी सी चिंगारी

एक गांव में एक छोटी बच्ची रहती थी !मीरा -मीरा की एक ही चाहत थी की वह पढ़ लिख कर कुछ बड़ा करें, लेकिन उसके घर के हालात ठीक नहीं थे. रोज सुबह वह खेतों में अपने पिता की मदद करती, फिर स्कूल जाती, स्कूल से लौट कर रात में मिट्टी के दिए को जलाकर उसकी रोशनी में पढ़ाई करती.

उसकी इस मेहनत को देखकर गांव वाले उसका मजाक बनाते. इतनी मेहनत करके भी क्या होगा? पढ़ाई किस काम की?

पर मीरा हर बार मुस्कुराकर कहती, मैं कोशिश करूंगी, कोशिश कभी बेकार नहीं जाती, एक दिन स्कूल में एक परीक्षा का आयोजन किया गया, इस परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी की पढ़ाई का सारा खर्चा सरकार उठाती, उस परीक्षा को देने के लिए सभी विद्यार्थी अच्छे कपड़ों और किताबों के साथ स्कूल आए पर मीरा के पास पुरानी कॉपी और टूटी पेंसिल थी, फिर भी मीरा ने मन लगाकर परीक्षा दी और जब परीक्षा का परिणाम आया तो सभी दंग रह गए क्योंकि मीरा ने प्रथम स्थान पाया था, अब मीरा की पढ़ाई का सारा खर्च सरकार उठाने वाली थी, मीरा का मजाक बनाने वाले लोग आज मीरा पर गर्व कर रहे थे.

सीखसफलता साधनों से नहीं -:, हिम्मत और निरंतर कोशिश से मिलती है।

नाम: विनीता कुमारी
क्रमांक: 125
**B. Ed.**

# मुझे तो स्वयं को जानना है

मैं अनल भू-धरा पर,
विधाता का आशीर्वाद लिए जल रहा हूँ।
अनंत आदिकाल से इस अग्निकुण्ड में,
जिसने 'लौ' को प्रज्वलित रखा है,
मेरा भी बस यही लक्ष्य है—
उस लौ की भांति स्वयं को जलाए रखना है!
इस जगत में सभ्यता को प्रकाशित करना है।
साधारण मनुष्य मात्र नश्वर शरीर को जानते हैं,
परंतु मुझे तो स्वयं को पहचानना है,
हाँ, मुझे तो स्वयं को ही जानना है!

**Name: Sima Priya**
**Roll No: 126**
**B.Ed.**

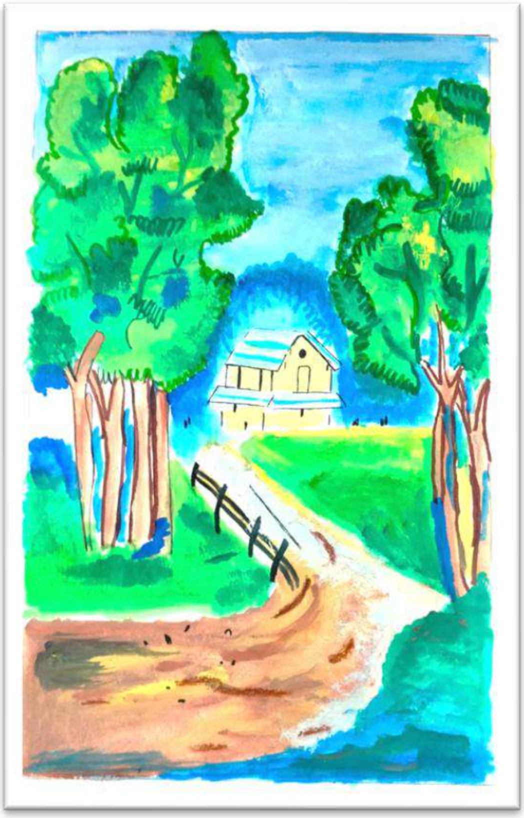

**Name: Sima Priya**
**Roll No. 126**
**B.Ed.**

# पथ

जब खुद सवालों से घिरे हो
जब खुद पतवार बने बीच भंवर में अटके हो,
कैसे तुम नन्हें कदम को सवारोगे,
उनके मन की उलझनों को कैसे सुलझाओगे ..
मेरी मानों, रूको....
गहरी सांस लो,
फिर पथ पर चल पड़ो
खुद का बोझ यहीं धर लो ..
मार्ग तुम्हारा स्वयं सरल हो जाएगा
जब तुम दुसरों से पहले अपनी सुनोगे!!

**Name: Sima Priya**
**Roll No. 126 , B.Ed.**

# मौसम की बातें

बादल बोले- "चलो बरसें,
सूखी धरती फिर से हँसे।"
पवन चली मुस्कान लिए,
पत्तों ने कुछ राज़ कहे।
धूप ने ओढ़ी सुनहरी चादर,
फूलों ने ओस से माँगी
काजल।
नदियाँ गुनगुन गीत सुनाएँ,
मोर थिरकें, नभ मुस्काए।
कभी तपिश, कभी ठंडी
फुहार,
यही तो मौसम का प्यार।
हर पल बदलता रंग नया,
प्रकृति का ये अनुपम साया।

**Name: Jyoti Kiran Tudu**
**Roll No. 164**
**B.Ed.**

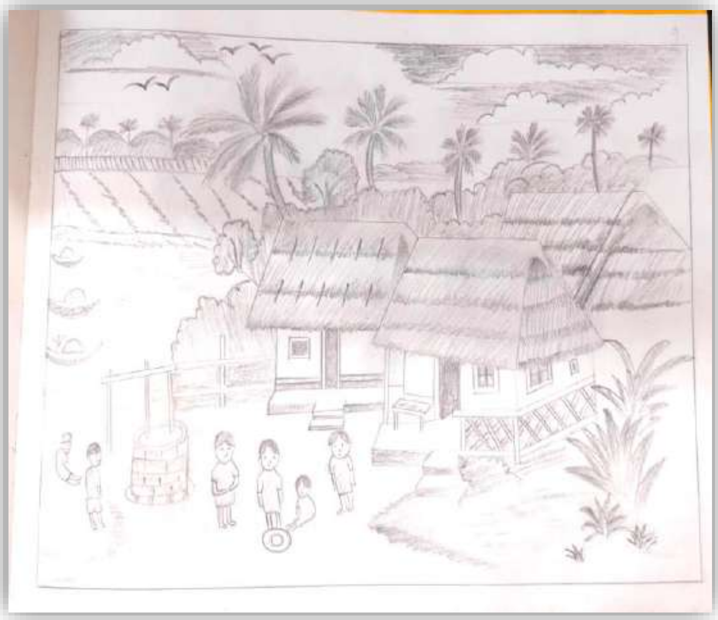

**Name: Jyoti Kiran Tudu**
**Roll No. 164**
**B.Ed.**

# देववाणी

शब्द जब पवित्र होते हैं,
मन का दीपक जलते हैं।
सत्य की राह दिखाते हैं,
अंधकार भी कटते हैं।
करुणा जब मुखर होती है,
संगीत सा बहता है।
हर हृदय को छू लेती है,
जो केवल प्रेम कहता है।
ज्ञान और भक्ति का संगम,
देववाणी यही है।
जहाँ शब्द आत्मा बन जाते,
वहाँ जीवन दिव्य हो जाते।

**Name - Priyanka Roy**
**Roll No. 8**
**B.Ed.**

# हमारे भारतीय छात्राओं की शिक्षा

हमारे भारतीय छात्राओं की
शिक्षा कुछ ऐसी हो,
अगर हो इसमें चारचार प्रतियोगिता-
पेंटिंग कहानी और कविता।
भारत की इस पावन धरती पर
उनकी छवि कुछ ऐसी निखार
जाए,
जैसे हरे भरे मैदाने पर
खिले गुलाब में सुगंध भर आए।
बात नहीं कर रहा
भारतीय बच्चों की प्रतिभा,
कुछ ऐसी उभर आए
जैसे कि जल से भरे,
तालाब में कमल खिल जाए
सूरज की किरण सा जगमगाता,
बच्चों और युवाओं का व्यक्तित्व
हो,
अंबर से ऊंचे स्वप्न हो।
बादलों से ऊंची उनकी उड़ान हो।

नाम प्रीति कुमारी :
क्रमांक: 127
बी.एड.

Name: Sneha Kumari Dey
Roll No. 08
D.El.Ed. (2024-2026)

# मन की उड़ान

पंख नहीं है फिर भी उड़ना है,
हर बंधन को अब तोड़ना है,
जो खुद को जान गया समझो,
उसने जहाँ को छू लिया,
ना गुरुर ना दिखावा,
सिर्फ सच्चाई का उजाला
आत्म विकास की जो राह चले,
वो खुदा से भी हो जाता है मिला
गिरो पर हार मत मानो
मन की उड़ान भरो.

**Name: Anita Kumari**
**Roll No. 91**
**B.Ed.**

## प्रेरणा

गिरने से डरना नहीं,
हर बार उठना सीख।
हारजीत का खेल- है जीवन,
अनुभवों को लिख।
हिम्मत हो अगर दिल में,
पहाड़ भी झुक जाएगा।

जो खुद पर रखे भरोसा,
समय भी रुक जाएगा।

नाम: कविता हंसदा
क्रमांक: **46**
**B.Ed.**

नाम: कविता हंसदा
क्रमांक: **46**
**B.Ed.**

# पत्र का अंतिम शब्द

एक दिन अचानक चिट्ठियों का आना बंद हो गया,

मानो वो खत कहीं कोने में चुपचाप रो रहे थे।

नीली स्याही के धब्बों में ठहरे हुए वो आँसू,

और उन टूटे हुए वाक्यों में छिपे कुछ गहरे शब्द।

आज बादलों के पीछे सूरज भी जैसे छुप सा गया है,

शायद वह भी किसी स्मृतियों के कोमल वस्त्र को छू रहा है।

उस पत्र के आखिरी शब्द 'अलविदा' तो नहीं थे,

बस एक उम्मीद थी— "लौट आना, अगर हो सके तो किसी दिन..."।

इन शब्दों को देख, मानो वो पत्र भी निशब्द हो गया,

अपनी खामोशी से ही जैसे वह ढांढस बँधा रहा था।

वो कह रहा है— 'हौसला रखो',

वो मिलन का दिन भी जल्द ही आएगा।

**Name: Manashree Layek**
**Roll. No. 15**
**D.El.Ed. (2024-26)**

# स्त्री

तुम स्त्री हो तुमसे दुनिया है
तुम दुनिया से नहीं।
तुम शक्ति हो
अर्धांगिनी कहलाने वाली,
तुम ही जीवनसंगिनी हो।
तुम माँ सा स्नेह देने वाली,
काली सी क्रोध दिखने वाली
तुम ही केवल स्त्री हो।
तुम ममता की सूरत
तुम विनाशकारी देवी हो ।
जन्म दाता तुम ही हो,
दुख हरने वाली
तुम ही केवल मुर्त हो,
तुम दुनिया से नहीं
दुनिया तुमसे है।
तुम स्त्री हो ।

**Name: Sneha Jha**
**Roll No. 59**
**B.Ed.**

**Name: Riya Kumari**
**Roll No. 30**
**D.El.Ed (2024-2026)**

# ज़िन्दगी की मंज़िल

मंज़िल का देखो पता नहीं है,
लेकिन उसकी खोज की तलाश है।
अनजान मंज़िल से मिलने की कोशिश में,
यहाँ हर कोई एक जिंदा लाश है।
इस सफ़र में कितना खोया है,
क्या कुछ नया हमने पाया है,
क्या इसका भी कोई सही हिसाब है।
अपनी जंग लड़ने बैठे हैं सब,
सपनों के भी क्या अच्छे कसाब हैं।
अपनी भूल पर पर्दा करते हैं,
औरों से शिकायतें बेहिसाब हैं।
उलझने सुलझने में हर पल निकला है,
लेकिन यही जिंदगी का असली रसाब है।।

**Name: Surbhi Barnwal**
**Roll No. 35**
**B.Ed.**

# मंजिल मिलेगी

मंज़िल मिलेगी, भटक कर ही सही,
अँधेरा मिटेगा, जलकर ही सही।
जो चलता रहा हौसले के साथ,
वो पा लेता है सफलता की बात।
हार मानना सीखो मत,
हर मुश्किल को जीतो मत।
जो खुद पे करता विश्वास,
वो करता दुनिया में उजास।
हिम्मत मत हारो
हिम्मत मत हारो, चलते रहो,
हर घड़ी मेहनत करते रहो।
जो ठोकर खाकर भी उठ जाए,
वो ही जीवन में जीत पाए।
आंधियाँ भी झुक जाएँगी,
जब तुम दम से बढ़ जाओगे।
सपनों को सच कर दिखाओगे,
तो दुनिया भी मान जाएगी।

**नामः प्रोमिला सोरेन**
**क्रमांक: 40**
**बीएड.**

# उम्मीद का एक सितारा

जब रात अंधेरी और ख्वाब बड़ा हो,
जब रास्ते पर कोई साथ न खड़ा हो।

उस चमकते आसमान के तले चलते हुए,
जब उम्मीद का एक सितारा नजर आता है।

तब पुरी होती है कहानी किसी की,
जो कभी चले अकेले थे एक उम्मीद की तलाश लिए।

ये एहसास कुछ ना होने से कुछ होने तक की,
एक सपना पुरा होने की तलाश में
बस गूंजता चला जा रहा था।

एक उम्मीद की किरण फिर कही
एक सितारे की तरह जगमगा रहा था।

**Name: Neha Jha**
**Roll No. 43**
**B.Ed.**

# एक और कोशिश

हार गए तो दोबारा कोशिश करना
जो थक गए कोशिश करते हुए, तो अपने माँ बाप को दोबारा देखना
समाज की फिक्र छोड़, दूसरों की तरक्की को बिना देखे
खुद की मेहनत पर एक बार दोबारा नज़र डालना
अच्छे काम करने की तलब है
तुझमें कुछ बड़ा करने का हुनर है
मदद कर दूसरों की, इस बात का जुनून है
तो फिर क्यों घबराना है
मेहनत करने का प्यासा हैं
तो हार से क्यों डरते हो,
नाम है बनाना तो संघर्ष से क्यों भागते हो
यह हार तुम्हारी एक और कोशिश और विश्वास का सबूत है,
कि तुमने खुद को बदलने की, अपनी इज्जत कमाने की कितनी दूरी तय की है.
और अगर जीत गए तो ये सब मिलेगा लेकिन हार गए तो एक उम्मीद मिलेगी.

**Name: Surbhi Barnwal**
**Roll No. 35**
**B.Ed.**

# कहानी ख्वाब की

एक खुबसूरत सी कहानी जो बनती इस दुनियाँ में है,
उस कहानी का माध्यम कोई ढूँढे तो कैसे।

एक रास्ता है जो भटका सा लगता है,
उस रास्ते को फिर से ढूँढे तो कैसे।

कभी शिक्षा कभी सलाह ले के चलते हुए,
उस अधूरी कहानी को कोई तराशे तो कैसे।

एक ख्वाब लिए चलें थे हम अपनी दुनिया मे,
उस ख्वाब को सपने से हक़ीक़त मे उतारे तो कैसे।

**Name: Neha Jha**
**Roll No. 43**
**B.Ed.**

# ENGLISH SECTION

**Name: Priti Poonam Hembrom**
**Roll No. 25**
**B.Ed.**

# The Door of Solitude

Behind the door of solitude and the window of peace,
Where chaos leaves and calmness meets,
All other voices and opinions decease,
This is the moment I long to keep_
I long to keep!
The dusky sky with the white moon,
The shining stars from my quiet room,
The stillness makes the place alive,
The silence is enough, and no word will suffice.
The heart is happy and the soul is pleased,
This is the moment I long to keep…
I long to keep!
The flickering fireflies and the rustling leaves,
The soothing serenity of the rippling trees,
The drizzly weather and the cool breeze,
This is the moment I long to keep…
I long to keep!

**Name: Swati Gupta**
**Roll No. 86**
**B.Ed.**

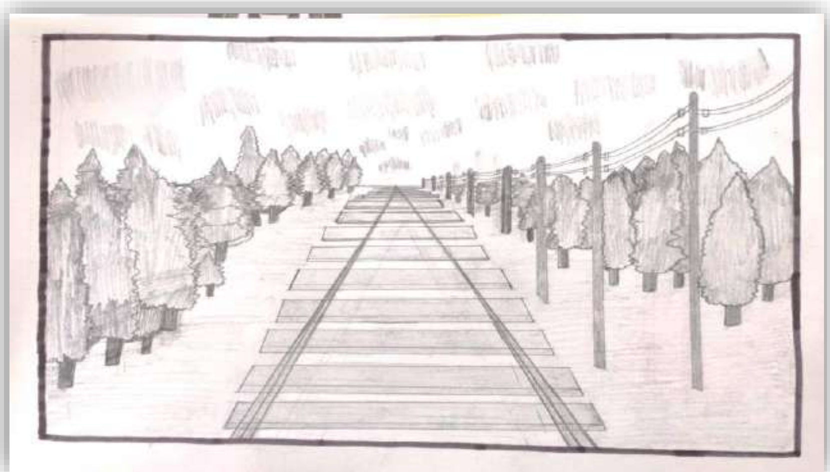

**Name: Payal Kumari**
**Roll No. 183**
**B.Ed.**

# Voice of Dev Vani

1. Dev Vani is not just a language but a bridge between human thought and divine wisdom.
2. In every syllable of Dev Vani, there lies the rhythm of the cosmos—pure, eternal, and full of truth.
3. Sanskrit, the Dev Vani, is the melody through which the universe first learned to speak.
4. Dev Vani teaches us that words, when pure and purposeful, have the power to create worlds.
5. To listen to Dev Vani is to listen to the voice of consciousness itself.

**Name: Anisha Chatterjee**
**Roll No. 10**
**D.El.Ed. (2024-2026)**

# When Hard Work Meets Opportunity

There was a poor coolie named Raghu, who worked at a railway station.
Every day, he carried heavy luggage to earn a few coins.
Life was hard with no education, no guidance but with only struggle.
But deep inside, Raghu had one dream to do something big in life.
One day, his old friend visited the station and gifted him an old mobile phone.
At first, Raghu thought, "What will I do with this? Can't even afford internet?"
But soon, he noticed that the station had free Wi-Fi.
Curious, he connected the phone and started watching educational videos.
Every night after work, he would sit under the station light and study through his phone. Days turned into months. People laughed and said,
"How can a coolie ever become an IAS officer?" But Raghu kept going. He knew that poverty cannot stop someone who refuses to quit. After years of hard work, the day finally came. The newspaper headline read: "Congratulations! Raghu Kumar, selected as an IAS Officer."
The same station, where he once carried luggage, now echoed with applause. People pointed and said, "Look, that's the man who changed his fate with a phone!"

**Name: Roshni Kumari**
**Roll No. 47**
**D.El.Ed. (2025-2027)**

# Science

The world is ruled by science,
This truth will be known by these lines;
By the law of gravity, we walk on ground,
The human ear can't hear ultrasound;
The science of spectacles is known to all,
The plant cells are guarded by cell wall.
What can be a better example than the food we eat,
With a number of reactions, the meal does greet.
Sodium is a reactive metal,
Poisonous chloride was used in battle;
But these elements from sodium chloride,
It's explanation is out of my mind.
The nuclear weapons were made by science;
That they are harmful to nature were explained by science.
Now I can't get anymore lines,
On this, already it's a complex science.

**Name: Akansha Rani**
**Roll No. 41**
**D.El.Ed. (2025-2027)**

# Dear Depression

Please just stop.
Please give me a break—
For a day to get my strength back…
Please just let me smile;
Let me be in peace for a while…
You've pushed me to my limits
Over and over again,
Until you even took away my hope.
I survived and carried on…
But you are never truly gone—
You are never far away,
A shadow to every step, l make
The darkness all around.

What do you want from me?
I will do anything to be free…
Please just leave me—
l'm not sure l can take it much more.
You've already taken so much…
I am exhausted to my very core—
Please, l can't stand it anymore.

Name: Kajal Kumari
Roll No. 49
D.El.Ed. (2025-2027)

# Despair to Healing

She dreamed in books, in trials and courts,
Of justice sung in solemn ports.
A gavel's sound, her inner call,
To rise, defend and fight for all.

But at her home, the silence was louder,
No cheers, no faith, no voices proud.
Her dreams were met with doubtful eyes.
With duty draped in silent sighs.

"Think of us" they said with care.
"The path is long and too far",
Law was shelved, her dreams denied,
The heart once bold now gently afraid.
The nights were long, the silence was loud,
With hope a Ghost behind.
Each day replayed what could have been,
Her courtroom voice, lost deep within.

No hand reached out, no light was near,

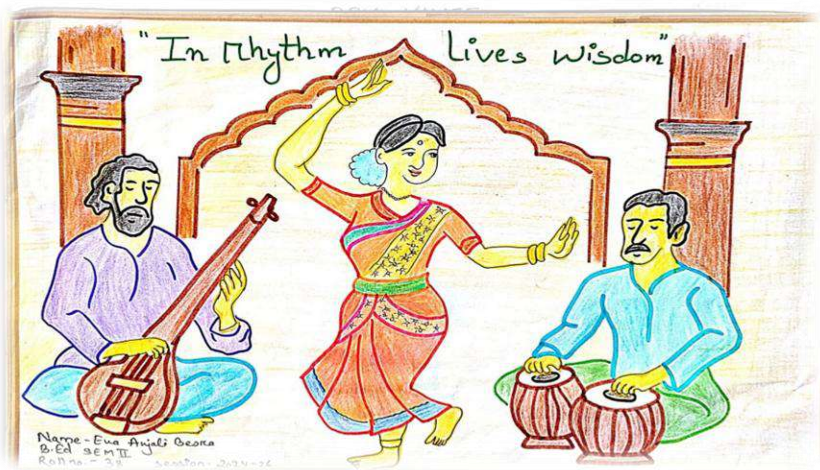


Just grit and heart, chocked back fear.
But as time passed, through pain and uncertainty,
She stitched her woo…

**Name: Anjali Kumari**
**Roll No. 33**
**D.El.Ed. (2025-27)**

# The Night Shift

Ravi woke before dawn. The alarm clock was buzzing beside his thin mattress. The small room was still dark. His wife and daughter were asleep on the other side. He lay there for a moment, staring at the cracked ceiling, gathering the strength to begin another day.

His job at the factory was not easy. Twelve hours of standing, lifting, sweating, all were for a wage that barely covered rent and school fees. But he never complained. Every blister on his hands was a promise that his daughter, Meera, would never have to live the same life he did.

That morning, the bus broke down halfway to the factory. Some men were crushed, others were dozed off. Ravi just looked out the window at the rising sun. “Keep going,” he told himself. “You can’t stop now.”

By night, he came home tired; his shirt was stained with oil and dust. Meera ran to him with her school notebook. “Papa, I got full marks in math!” she said, eyes shining.

He smiled, even though his body ached. He kissed her forehead. “That’s my brave girl,” he whispered.

Later, as the city slept, Ravi sat by the window, counting the little money he had left after paying bills. It wasn’t much but he didn’t feel poor. In his daughter’s smile, in her dreams, he saw the reward of every struggle.

Tomorrow would be hard again, but he’d face it because that’s what fathers do.

**Name: Kumari Sonal**
**Roll No. 15**
**D.El.Ed. (2025-27)**

# The Voice of Change: The Power of Education

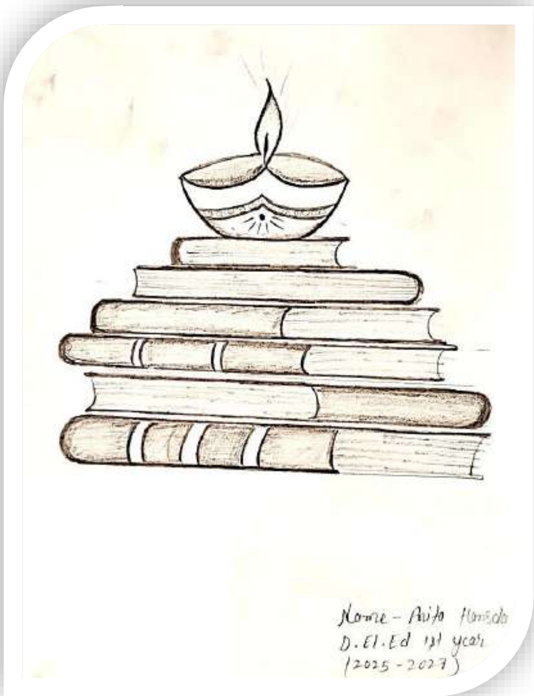


In the small village of Deoghar, a young woman named Maya dreamt of something far greater than what her world allowed her to imagine. She taught children under the banyan tree using chalk.

When the village elders mocked at her, saying “Books won’t fill empty stomachs,” Dev vani replied softly " But knowledge will teach us how to feed ourselves with dignity".

One day, an officer visited in the village and noticed her teaching. Within months, the Education Department built the first government school in the village and appointed Maya as its head teacher.

She didn’t stop there. She started night classes for women. Within five years, the village that once resisted education became a model for community-led learning.

**Name: Riya Kumari**
**Roll No. 25**
**D.El.Ed. (2024-2026)**

# Not a Toy

Name: Shruti Kumari
Roll No. 39
D.El.Ed (2024-2026)

She was born with dreams in her eyes,
But the world wrote rules, dressed in lies.
They called her sweet, they called her kind,
Yet chained the wings of her mind.

They gave her dolls, not books to hold,
Taught her to smile, not to be bold.
Told her to obey, to never annoy—
As if she was nothing, just a toy.

Her laughter was used, her tears were ignored,
Her heart was broken, her soul outpoured.
She learned to hide behind her grace,
A thousand wounds beneath her face.

They dressed her up, made her pretend,
But no one cared how nights would end.
Her silence screamed, her eyes would cry,
She was asked for every 'why'.

But one day she stood, her voice became flame,
She broke their walls, she changed her name.
No longer someone's play or ploy,
She rose and roared—
"I am a girl, not your toy."

Name: Muskan Kumari
Roll No. 12
D.El.Ed. (2025-2027)

# Save Environment, Save Future

The environment is the foundation of life on Earth. It provides us with air to breathe, water to drink, food to eat, and shelter to live. But today, our environment is in great danger due to pollution, deforestation, and global warming. Human activities like cutting down trees, using plastic and wasting natural resources are harming nature every day.

If we want a safe and healthy future, we must protect our environment now. Planting more trees, reducing plastic use, saving water, and using renewable energy can make a big difference. Everyone should take responsibility to keep the earth clean and green.

Saving the environment means saving our own future. A healthy environment ensures a happy and safe life for generations to come. Let us all join hands to protect our planet because there is no Planet B.

**Name: Suman Bharati**
**Roll No. 21**
**D.El.Ed. (2025 - 2027)**

# Education: The Key to Development

Education is the foundation of progress in any society. It helps people gain knowledge, develop skills, and understand the world around them. When children receive good education, they grow into responsible citizens who can contribute to the nation's development.

Education not only teaches reading and writing but also builds confidence, creativity, and discipline. It prepares students for future careers and helps them solve real-life problems. A strong education system leads to economic growth, social equality, and a peaceful society.

Today, digital learning and modern teaching methods are making education more interesting and accessible. Every child deserves the right to learn, dream, and achieve. By investing in education, we invest in a brighter and more developed future for our country.

**Name: Nishu Kumari**
**Roll No. 116**
**B.Ed.**

## In the End

In the end,
It won't matter
How many emails you answered,
Or how many boxes you ticked.

In the end,
The question will remain—
‘’whom you held
And who held you’’.
How much you laughed,
Even when things didn't go to plan!

How gently you spoke to yourself,
When no one else was listening!

In the end,
They will be the ordinary days
That stayed with you
Like sacred things.

A warm cup in your hands,
A voice on the line—
The sun was setting,
While you were paying attention.

**Name: Sujata Kumari**
**Roll No. 118**
**B.Ed.**

# Education: The Key to a Prosperous Future

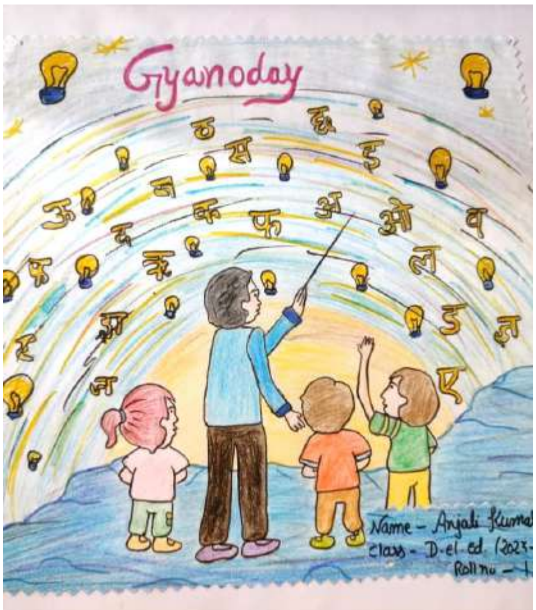


Education plays a vital role in shaping the progress of any nation. It empowers individuals with knowledge, enhances their skills, and broadens their understanding of the world. Educated individuals are more likely to become responsible citizens and contribute positively to society.

Moreover, education develops essential qualities such as confidence, creativity, and discipline. It prepares students for professional life and equips them to tackle real-world challenges. A well-developed education system fosters economic growth, social justice, and national stability.

In the modern era, digital tools and innovative teaching methods have made education more accessible and effective. Therefore, ensuring quality education for every child is crucial for building a prosperous future.

**Name: Annupriya Dayal**
**Roll No. 131**
**B.Ed.**

## Power of Education

Education is a shining light,
That turns the dark of mind to bright.
It builds the dreams that touch the sky,
And teaches hearts to never be shy.

With every book, a door we find,
To shape the world, to grow the mind.
So learn with love, and rise each day —
Knowledge lights the better way.

**Name: Abhaya Khaware**
**Roll No. 159**
**B.Ed.**

## The Alchemy of Becoming

Every ending opens the door to a new beginning.
Transformation isn't a pretty, linear process —
It's messy, uncomfortable, and absolutely beautiful.
Trust that you're exactly where you need to be in your story.
Each challenge is shaping you into someone stronger, wiser, and more resilient.
Growth often hides behind moments of doubt and fear.
Let go of what no longer serves your purpose.
Embrace the uncertainty —
It's proof that you're evolving.
The best chapters often begin when you least expect them.
Keep moving forward…
Your light is only getting brighter.

**Name: Tannu Priya**
**Roll No. 154**
**B.Ed.**

# The Voice of the Divine

"उद्धरेदात्मनाऽत्मानं नात्मानमवसादयेत्।
आत्मैव ह्यात्मनो बसुन्धरात्मैव रिपुरात्मन"।।

— Bhagavad Gita, Chapter 6, Verse 5

("Let a man lift himself by his own Self; let him not degrade himself.")

Sometimes, the loudest voice in life isn't the one that shouts —
It's the one that whispers within.
Dev Vani, the divine voice, speaks not in noise, but in stillness.
It's that soft nudge that says, "Rise again," when the world believes you've fallen.
It doesn't promise ease, it promises awakening.
It teaches that your greatest strength doesn't lie outside,
But quietly blooms within your own spirit.
Transformation doesn't always come with noise and applause;
Sometimes, it arrives in silence,
In moments when you choose patience over panic,
Kindness over anger, peace over proving yourself,
Every challenge is not there to break you,
But to remind you that you can rise again and again.
It is subtle, but its impact is infinite.
It's the reminder that every time you breathe through chaos instead of reacting to it,
You're lifting yourself.
You're not waiting for light to descend from above;
You're realizing that it has always been glowing within you.
So pause…
Listen…
And trust that the quietest guidance, your Dev Vani,
Is often the voice of the Divine itself.

**Name: Puja Kumari**
**Roll No 155**
**B.Ed.**

## A Warm Cup of Tea

Every morning, little Tara brought her mother a cup of tea before school. Her mother, Maya, worked for long hours as a nurse and often came home tired.

One day, when Maya fell sick, Tara woke up early and made the tea herself spilling sugar, burning her hand a little, but smiling proudly.

When Maya opened her eyes, Tara whispered, “Now it’s my turn to take care of you, Ma.”

Tears rolled down Maya’s face as she held her daughter close. The tea was too sweet, but that morning, it tasted like love. ❤

Name: Nisha Soren
Roll No.184, B.Ed.

## Lotus Soul

From Muddy roots,
The Lotus grows,
Untouched by dirt,
Yet all it knows.
So, to the soul
In karma’s tide
It blows, when truth
And self-collide...

Name: Sonal Sharma
Roll No. 159
B.Ed.

## Life Beyond...

Write the sky,
Up so high,
Beyond the clouds,
Because it's time to fly.

Break the Rocks,
Even it's hard,
Beyond the barriers,
Because it's your yard.

Climb the mountains,
Up to the top,

Beyond the heavy storm,
Do not stop.

Flow with the time,
Along the Stream,
Beyond the Pebbles,
To fetch your dream.

Name: Manashree Layek
Roll No. 15
D.El.Ed. (2024-26)

## Kept Safe

I don't always see the way,
But something keeps the dark at bay.
A voice inside, calm and still,
That holds me close against my will.
When storms have come and I've been shaken,
Somehow, I was never fully taken.
I broke in places, but not all,
Something caught me in the fall.
I may not know its name or face,
But I have felt its quiet grace.
Not armor, loud- but soft defense:
A shield of love, that just makes sense.

Name: Sonal Sharma
Roll No. 89
B.Ed.

# She Rises Again

They tried to cage her midnight dreams,
To drown her light in shallow streams.
But stars were stitched into her soul,
She broke the dark and made it whole.

She fell through nights of silent cries,
Yet turned her tears to jeweled skies.
Each star became a shining thread,
That wove the strength the world once dread.

They called her weak, she smiled instead,
With fire and faith her spirit fed.
From ashes cold, her wings unfurled,
She built her own and changed her world.

Now thunder bows where she has been,
Her voice commands the storm within.
No chain, no doubt, no fear can bend—
For she will rise again and again…

Name: Sushmita Mani
Roll No. 49
B. Ed.

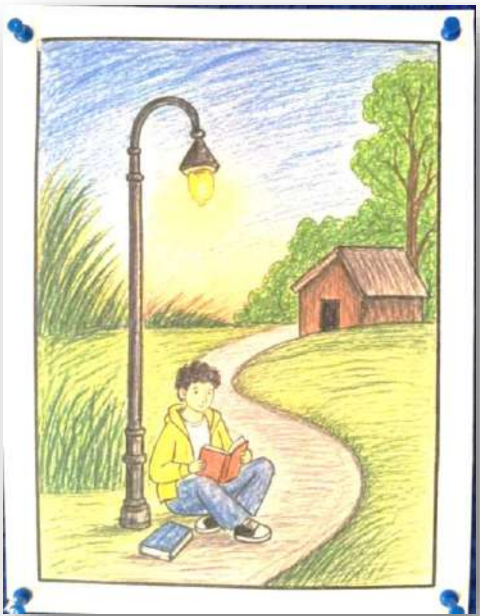

## Moon & Streetlight 🌙 💡

The moon whispered softly,
“I guard the oceans’ tide,
I follow the earth’s heartbeat,
With stars by my side.”
The streetlight flickered gently,
“I guard the night below,
I keep footsteps from stumbling,
Where shadows like to grow.”
The moon smiled kindly,
“You shine though you’re small,
Yet to the lonely traveler,
You mean more than all.”
The streetlight replied, glowing bright,
“Though your beauty is grand and wide,
Together we weave the comfort of night—
You are above, and I am beside.”

**Name: Eva Anjali Besra**
**Roll No. 38**
**B.Ed.**

## Shining Tomorrow

The sun will rise, the sky will glow,
Dreams will bloom and gently grow.
Hold on tight, be brave, be true—
Tomorrow shines just for you.

**Name: Priti Poonam Hembrom**
**Roll No.: 24**
**B.Ed.**

# The Digital Age

We wake up to screens, not the sun,
Scrolling before the days begun.
A million voices, likes, and shares,
But do we see who really cares?

Photos polished, lives so bright,
Everyone's perfect in the light.
But behind the posts, the smiles so wide,
Many battles still hide inside.

We speak in emojis, hearts, and trends,
But forget the warmth of meeting friends.
A thousand followers on my feed,
Yet, sometimes none, when I'm in need.

Still, this world has its own grace,
It connects hearts across each place.
If we balance the real and screen,
Life can be brighter, calm, and clean.
So let's not lose the human touch
Because in the end, it matters much.
The digital age is ours to steer,
Let's shape it with love, not fear.

**Name: Kanak Nandani**
**Roll No.: 17**
**D.El.Ed (2024-2026)**

# संताली खंड

*SANTHALI SECTION*

Name: Premahila Marandi
Roll No. 60
B.Ed.

# इना हुदिस

जिंदगी रेयाक् ताड़ाम रे

नवा होर काना

नवा ताड़ाम काना

होर आर मंजिर सुर दो बानुआक्

खतरा ते पेरेच् अकान ताड़ाम आसान बान काना

नोवा रे एसेत को आइमा मीनाका

जालानो लागीत आइमा होद मीनाक कोवा

आम आलोम थिरुआ

आम आलोम तुम्बु दोआक्

हामेट हुयु तमा आम ओना मुकाम

ओकारे चाला - हिजुक् जहा खास गे

ओइसा गे दुबे दाक् दो बान चालाक काना

मोने रे मुरुक जहान खास कान !!!!


**Name: Leena Murmu**
**Roll No. 05**
**D.El.Ed. (2025-2027)**

# चेहरा

बस्मता चेहरा नेलः सारि
बीर बुरु गाडा ताहेनखान
मानवा होपन चेहरा पारि सावता ताहेनखान!
सावता चेहरा नेलः सारि
साव्हेत लागचार धरम ताहेनखान,

मानवा होपन चेहरा पारि गावता ताहेनखान!
गावता चेहरा नेलः सारि
गड़ो सपहत, जुमिद ताहेनखान

मानवा होपन चेहरा पारि आतुथान खान!
आतु चेहरा नेलः सारि
जाहेर आखड़ा ओड़ाः ताहेनखान

मानवा होपन चेहरा पारि घारोंज ताहेनखान!
घारंज चेहरा नेलः सारि
जुरि तिरि लाटका ताहेनखान
मानवा होपन चेहरा पारि
सुलुक ताहेनखान!

**Name: Preeti Murmu**
**Roll No. 175**
**B .Ed.**

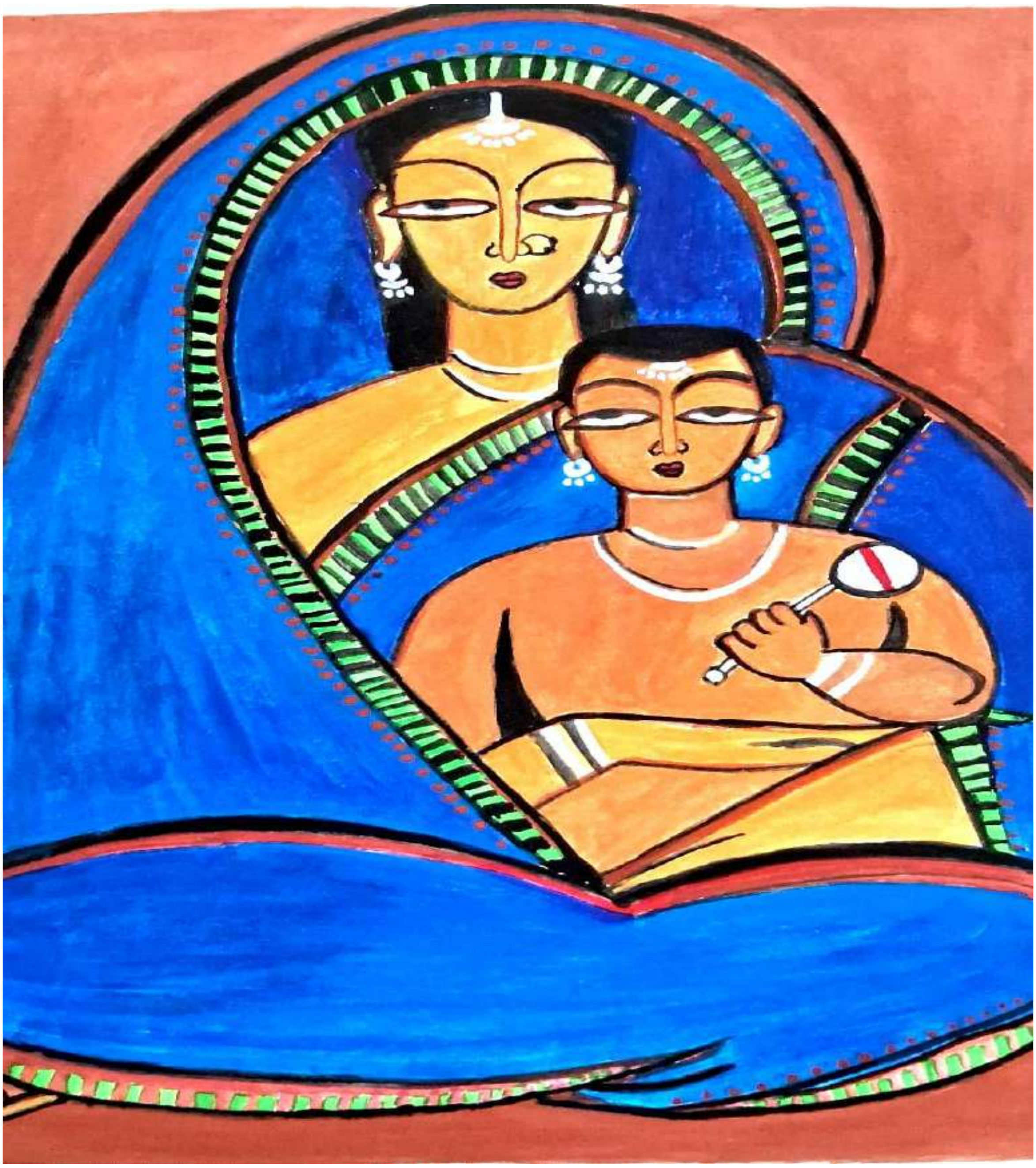

**Name: Anita Kumari**
**Roll No. 91**
**B.Ed.**

# বাংলা খণ্ড

*BENGALI SECTION*

**Name: Manashree Layek**
**Roll No. 15**
**D.El.Ed. (2024-2026)**

# আত্মবিশ্বাস

ভয় নয়, আশা আমার পথের সাথী···
ঝড় এলেও থামাতে পারে না গতি।
বারে বারে পড়ে গেছি, তবু উঠেছি আবার—
কারণ জানি আমার ভিতরেই শক্তির ভান্ডার।

হারা মানে শেষ নয়, শুরু নতুন রচনায়···
আত্মবিশ্বাস-ই শেখায়, জয় আছে জীবনের আঙিনায়।
যে নিজেকে চেনে, সে হারায় না কখনও,
বিশ্বাসের আলোয় জ্বলে তার জীবনের অগণিত ক্ষণও ।

ভরসা রাখো নিজের উপর,
জগতে রাখো নিজের আঁকর।
আত্মবিশ্বাস হল মননের দীপ,
যে জ্বলে, সে-ই পৌঁছে শিখরের অতলঅদীপ।

**Name: Sneha Kumari Dey**
**Roll No. 08**
**D.El.Ed. (2024-2026)**

# প্রকৃতির কণ্ঠস্বর

বন কথা বলে নিঃশব্দ সুরে,
পাতা আর হাওয়ায়, মাটি আর পাথরে।
সে মৃদুস্বরে বলে "রক্ষা করো এই ধারা,
গাছেরা জীবন দেয়, নতুন প্রাণের উৎস তারা।"

নদী গায় সুর, ফুল করে প্রার্থনা,
পাখিরা গায় গান, আশীর্বাদে ভরে দিনটা।
প্রতিটি বৃষ্টির ফোঁটা, প্রতিটি নিশ্বাস,
মনে করায়  প্রকৃতির ভালোবাসা অনন্য আশ্বাস।

ও পৃথিবীর সন্তান! হৃদয়টা খোলো—
গাছ ও মাটির সান্নিধ্য কখনও না ভুলো…
কারণ দেব বাণী, সেই ঈশ্বরের ডাক—
আমাদের শেখায়, প্রকৃতিকে ভালোবাসো, নাও সঠিক পথের বাঁক।

**Name: Payal Kumari**
**B.Ed.**

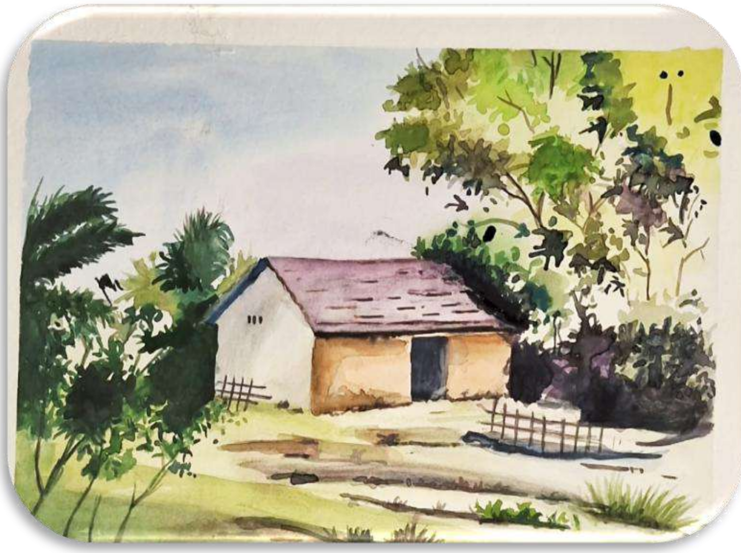

**Name- Achyutananda Mishra**
**Asst. Professor. DIPSER**

# संस्कृत खण्डः

*SANSKRIT SECTION*

**Name: Manashree Layek**
**Roll No. 15**
**D.El.Ed (2024-2026)**

# सुभाषितम्

"विद्यादानं महादानं ,अन्नदानं ततः परम्।
अन्नेन क्षणिका तृप्तिः, यावज्जीवं च विद्यया" ॥

भावार्थः–
अन्नदानं महान् दानम् अस्ति, किन्तु विद्यादानं ततः अपि श्रेष्ठम्। यतः अन्नदानेन मनुष्यस्य उदरस्य तृप्तिः केवलं किञ्चित्कालपर्यन्तं भवति, किन्तु विद्यादानेन प्राप्तया विद्यया सः आजीविकां सम्पाद्य जीवनपर्यन्तं तृप्तिं प्राप्नोति।

**Name: Saraswati Kumari**
**Roll No. 24**
**D.El.Ed. (2025-27)**

# संस्कृत भाषायाः महत्त्वम्

संस्कृतम् देवभाषा अस्ति, संस्कृतम् देववाणी अस्ति। अस्माभिः गर्वं कर्तव्यं यत् एषा अस्माकं संस्कृतेः अमूल्या धरोहरः अस्ति। एतां वयं दैनन्दिनजीवने उपयोगे आनयेम तथा च भारतस्य प्रत्येकं सनातनिनं प्रति प्रापयेम। अस्याः भाषायाः अमृतगुणयुक्ता मधुरता अस्ति॥

**Name: Niharika Kumari**
**Roll No. 28**
**D.El.Ed. (2025-2027)**

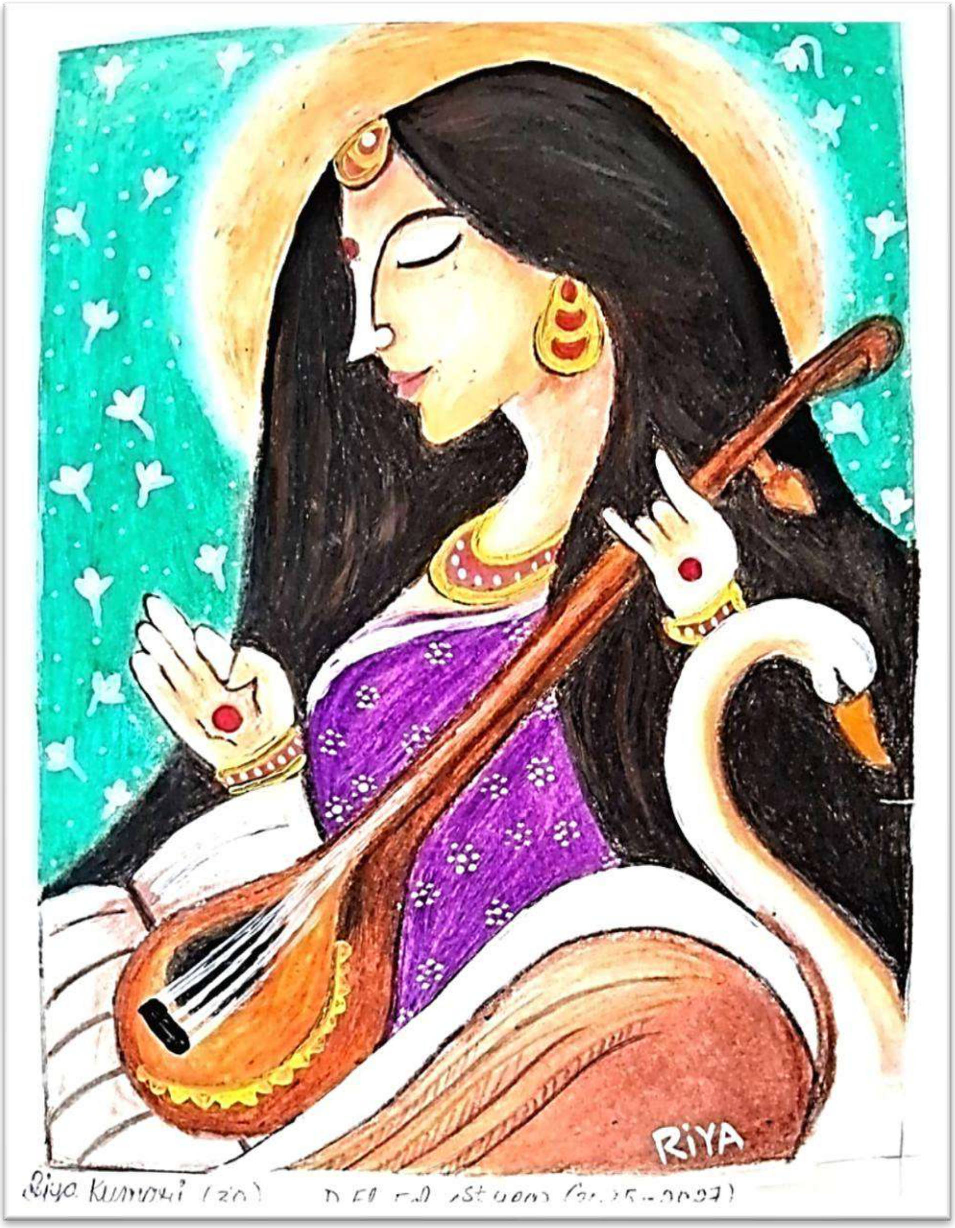


**Name: Riya Kumari**
**Roll No. 30**
**D.El.Ed. (2024-2026)**

प्रमंडल स्तरीय युवा महोत्सव 2025-26
-: प्रतियोगिता विवरण :-

Our Founder Chairman

एग्रो पार्क,